दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर 2 की ...8

बलरामपुर

सोमवार ,23 मार्च 2026

वर्ष: 05 अंक : 170 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

पीएम मोदी ने रचा नया इतिहास, देश में सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले गैर–कांग्रेस नेता बने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की राजनीति में एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। लगातार लंबे समय तक सत्ता में बने रहने के मामले में उन्होंने एक अहम पड़ाव पार किया है, जिसे भारतीय लोकतंत्र के संदर्भ में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बता दें कि नरेंद्र मोदी अब देश में निर्वाचित सरकार के सबसे लंबे समय तक नेतृत्व करने वाले नेता बन गए हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने कुल 8,931 दिन पूरे कर लिए हैं, जिसमें गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल शामिल है। इससे पहले

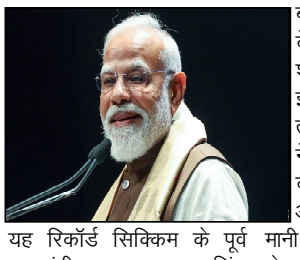

यह रिकॉर्ड सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के नाम था, जिन्होंने 8,930 दिनों तक पद संभाला था। गौरतलब है कि नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था और मई 2014 तक इस पद पर रहे। इसके बाद 26 मई 2014 को उन्होंने देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली और तब से लगातार इस पद पर बने हुए हैं। इस तरह उनका राजनीतिक नेतृत्व करीब 25 साल के लंबे दौर में फैल चुका है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। मौजूद जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने गैर–कांग्रेस पृष्ठभूमि से आकर लोकसभा में पूर्ण बहुमत हासिल किया और लगातार तीन आम चुनावों में जीत दर्ज की।

1200 नर्सिंग अधिकारियों को मिले नियुक्ति पत्र

राज्य सरकार नर्सिंग अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ रही : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नर्सिंग को सेवा और संवेदना का पेशा बताते हुए रविवार को कहा कि जब सेवा और संवेदना मरीज के साथ सहयोगी बनती है तो उसके सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इसी भावना के साथ राज्य सरकार नर्सिंग अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ रही है। मुख्यमंत्री ने यहां चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग से चयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद अपने संबोधन में कहा, ''नर्सिंग का पेशा सेवा और संवेदना का है। आपकी सेवा और संवेदना जब मरीज के साथ जुड़ती है तो उसके परिणाम हम सबके सामने आते हैं।'' एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस अवसर पर

1,228 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए, जिनमें 1,097 महिलाएं और 131 पुरुष शामिल हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''नवरात्र के अवसर पर बेटियों को नियुक्ति पत्र प्राप्त होना नारी शक्ति के सशक्तीकरण का आदर्श उदाहरण है। मैं सभी अभ्यर्थियों को हृदय से बधाई देता हूं और उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग को धन्यवाद देता हूं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''वह दिन बीत गए जब यह सोचा जाता था कि मेडिकल कॉलेज या नर्सिंग कॉलेज खोलकर क्या होगा। मेडिकल शिक्षा महंगी हो सकती है, लेकिन नर्सिंग ऐसा क्षेत्र है जिसमें डिग्री लेने के बाद रोजगार की पूरी संभावना रहती है।'' उन्होंने कहा कि भारतीय नर्सिंग पेशेवरों की मांग केवल देश में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में हो रही है। योगी ने कहा, ''हाल में मैं जापान गया था, जहां बड़ी संख्या में नर्सिंग पेशेवरों की मांग की जा रही है। जर्मनी, कोरिया और यूरोप के अन्य देशों में भी भारतीय नर्सों की मांग है और उन्हें भरोसा है कि वे अच्छा कार्य करेंगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा संस्थानों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नर्सिंग अधिकारियों को सेवाओं से जोड़ रही है। उन्होंने कहा, ''आपका चयन लोकसेवा आयोग से हुआ है और अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के माध्यम से आपको इस अभियान को आगे बढ़ाना है।'' पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में स्वास्थ्य ढांचा कमजोर था। उन्होंने कहा, ''1947 से 2017 तक 70 वर्षों में प्रदेश में केवल 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे और निजी क्षेत्र सहित कुल संख्या 40 थी।

पश्चिम एशिया में युद्ध के बढ़ते खतरे पर पीएम मोदी की बड़ी बैठक

ऊर्जा सुरक्षा के लिए बना मास्टरप्लान

प्रधानमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत कैबिनेट के कई वरिष्ठ मंत्री शामिल हुए। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वह वैश्विक हालातों पर नजर रखते हुए देश की ऊर्जा सुरक्षा और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

गैस और ईंधन की किल्लत दूर करने के लिए कड़े कदम

देश में घरेलू स्च्ळ सिलेंडरों की सप्लाई को सामान्य बनाए रखने के लिए सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं। घबराहट में की जाने वाली बुकिंग में अब

कमी आई है। सरकार ने राज्यों के लिए कमर्शियल गैस का कोटा बढ़ा दिया है, जिसमें अस्पताल और शिक्षण संस्थानों को प्राथमिकता दी जा रही है। साथ ही, घरेलू और कमर्शियल उपभोक्ताओं को नए पाइप वाली गैस कनेक्शन देने में तेजी लाने की सलाह दी गई है। गैस की कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए देशभर में लगातार छापेमारी की जा रही है। राहत की बात यह है कि अमेरिका के टेक्सास से रसोई गैस लेकर एक बड़ा जहाज मंगलुरु बंदरगाह पहुंच चुका है, जिससे सप्लाई में सुधार होगा।

समुद्री रास्तों पर तनाव

यह समीक्षा बैठक ऐसे समय में हुई है जब होर्मु जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण व्यापारिक रास्तों पर युद्ध के कारण तनाव चरम पर है। 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद से इलाके में संघर्ष काफी बढ़ गया है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर पड़ा है।

लद्दाख पर नरम पड़े सोनम वांगचुक?

बोले- Central Govt से 'Win-Win' समाधान पर करेंगे बात

लद्दाख के मशहूर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 170 दिनों की हिरासत के बाद जेल से छूटने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि अपने लोगों और पहाड़ों के बीच वापस आकर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। वांगचुक को पिछले साल सितंबर में लेह में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया था। अब सरकार द्वारा आदेश वापस लेने के बाद उनकी रिहाई हुई है। वांगचुक ने इस संघर्ष में साथ देने के लिए पूरे देश का धन्यवाद किया और उम्मीद जताई कि जिस उद्देश्य के लिए वे लड़ रहे हैं, उसके लिए जल्द ही एक श्नई सुबहश आएगी।

लद्दाख की मांगों पर लचीला रुख: सोनम वांगचुक ने लद्दाख की राजनीतिक मांगों को लेकर केंद्र सरकार के साथ बातचीत में एक लचीला रुख अपनाने का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि वे श्लेन–देनश के आधार पर समाधान निकालने के पक्ष में हैं। वांगचुक के अनुसार, बातचीत का उद्देश्य ऐसी स्थिति बनाना होना चाहिए जहां दोनों पक्षों का फायदा हो। हालांकि, लद्दाख के अन्य प्रमुख संगठनों ने साफ कर दिया है कि वे अपनी मुख्य मांगों पर कोई समझौता नहीं करेंगे, लेकिन वांगचुक का मानना है कि आपसी समझ और लचीलेपन से ही बातचीत सफल हो सकती है।

छठी अनुसूची और लोकतंत्र की बहाली

वांगचुक ने स्पष्ट किया कि आने वाली बातचीत मुख्य रूप से दो बड़े मुद्दों पर टिकी होगी,लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना और वहां लोकतंत्र की बहाली (पूर्ण राज्य का दर्जा या विधानसभा)। उन्होंने कहा कि अगर दोनों मांगों पर सहमति नहीं बनती, तो वे उम्मीद करते हैं कि कम से कम एक मुद्दे पर बात जरूर बनेगी। उनके मुताबिक, बातचीत ऐसी नहीं होनी चाहिए जहां किसी एक पक्ष को हार माननी पड़े, बल्कि यह श्जीत–जीतश वाली स्थिति होनी चाहिए जिसमें दोनों पक्ष एक–दूसरे की जरूरतों और चिंताओं का सम्मान करें।

खल्लारी मंदिर में रोपवे का केबल टूटा 1 की मौत, 17 घायल

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले से एक बेहद दुखद खबर आई है, जहां प्रसिद्ध खल्लारी माता मंदिर में रविवार को रोपवे का केबल टूट गया। नवरात्रि के चलते मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी, तभी अचानक हुए इस हादसे में एक महिला की जान चली गई और 17 लोग घायल हो गए।

जमीन से लगभग 3,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस पहाड़ी मंदिर में हादसे के बाद अफरा–तफरी मच गई। चश्मदीदों के मुताबिक, केबल टूटने से रोपवे की केबिन नीचे गिर गई, जिससे उसमें सवार यात्री गंभीर रूप से चोटिल हो गए। प्रशासन ने पुष्टि की है कि हादसे में घायल हुए 17 लोगों में से 5 की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। अन्य घायलों का स्थानीय अस्पतालों में प्राथमिक उपचार किया गया, जिसके बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

वैष्णो देवी में नवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाब, भारी भीड़ के चलते पंजीकरण रोका गया

चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन माता वैष्णो देवी के दरबार में

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शनिवार और रविवार की छुट्टी होने के कारण शाम तक करीब 41 हजार श्रद्धालु अपना रजिस्ट्रेशन कराकर भवन की ओर रवाना हो चुके थे। भक्तों की इस भारी संख्या को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने शाम 4रू:5 बजे सभी यात्रा पंजीकरण केंद्रों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। इस बीच, देशभर से श्रद्धालुओं का आधार शिविर कटड़ा पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है, जिससे वहां सुरक्षा और प्रबंधन की चुनौतियां बढ़ गई हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कटड़ा से लेकर भवन तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान हर जगह तैनात हैं। कटड़ा में अभी भी 8 से 10 हजार श्रद्धालु यात्रा शुरू करने का इंतजार कर रहे हैं, जिनसे श्राइन बोर्ड ने धैर्य बनाए रखने की अपील की है। बुजुर्गों और बच्चों की सुविधा के लिए हेलीकॉप्टर, बैटरी कार, घोड़ा और पालकी जैसी सेवाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। आद्कुंवारी मार्ग और भवन परिसर में लंबी कतारें देखी गईं, जहां भक्तों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा।

तीन दिन में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने टेका मत्था

नवरात्रि के शुरुआती तीन दिनों के भीतर ही एक लाख से ज्यादा श्रद्धालु माता के दर्शन कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की इस रिकॉर्ड आमद से कटड़ा के स्थानीय बाजारों में भी जबरदस्त रौनक लौट आई है। बड़ी संख्या में यात्रियों के आने से होटल, रेस्टोरेंट और स्थानीय दुकानदारों के चेहरे खिले हुए हैं। श्राइन बोर्ड लगातार उद्घोषणाओं के जरिए यात्रियों को ताजा स्थिति की जानकारी दे रहा है ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो।

भारत की ऊर्जा सप्लाई की टेंशन खत्म!

एक तरफ रूस से आया कच्चा तेल तो दूसरी तरफ अमेरिका ने भेजा ईंधन

भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए न्यू मंगलुरु बंदरगाह पर दो महत्वपूर्ण जहाजों का आगमन हुआ है, जिसमें रूस से कच्चा तेल लेकर आया एक्वा टाइटन और अमेरिका के टेक्सास से एलपीजी की बड़ी खेप लेकर पहुंचा पाइक्सिस पायनियर शामिल हैं। एक्वा टाइटन उन सात रूसी टैंकरों में से पहला है, जिन्होंने अमेरिका से मिली विशेष छूट के बाद चीन का रास्ता छोड़कर भारत का रुख किया है, जबकि श्पाइक्सिस पायनियरश के आने से देश में चल रहे रसोई गैस के संकट में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इन दोनों जहाजों से ईंधन उतरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिससे आने वाले दिनों में देश में कच्चे तेल और घरेलू गैस की सप्लाई में सुधार होगा।

होर्मुज संकट के बीच भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध के कारण श्होर्मुज जलडमरूमध्यश बंद पड़ा है, जिससे दुनिया भर में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। भारत के लिए यह रास्ता बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां से भारत का लगभग 50 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में रसोई गैस आती है। ऐसे संकट के समय में रूसी तेल का भारत पहुंचना एक बड़ी राहत माना जा रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, एक और बड़ा टैंकर श्स्वेजमैक्स जूजू एनश भी 25 मार्च तक गुजरात के सिक्का बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद है। इन कदमों से भारत में तेल की कमी के खतरे को टालने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस और अमेरिका से समय पर पहुंचे इन ईंधनों की वजह से भारतीय रिफाइनरियों को बड़ी मजबूती मिलेगी और देश में तेल–गैस की अल्पकालिक कमी दूर हो जाएगी।

फिर बदला मौसम का मिजाज, पहाड़ों पर बर्फबारी , कई राज्यों में भारी बारिश–ओलों का अलर्ट जारी

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देश के बड़े हिस्से में अगले कुछ दिनों के लिए मौसम का व्यापक अलर्ट जारी किया है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और चक्रवाती सिस्टम के सक्रिय होने के कारण उत्तर–पूर्वी, पूर्वी, मध्य और दक्षिण भारत के राज्यों में मौसम तेजी से बदल रहा है। विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में कई राज्यों में गरज–चमक के साथ भारी बारिश, बिजली गिरने और ओले गिरना की संभावना है। पहाड़ी राज्यों जैसे हिमाचल और उत्तराखंड में भी बर्फबारी के आसार बन रहे हैं। पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों में भारी तबाही की आशंका: मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम और मेघालय जैसे पूर्वोत्तर राज्यों में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम के लिए भी 24 मार्च तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। विशेष रूप से गंगीय पश्चिम बंगाल और ओडिशा में हवाओं की रफ्तार 70 से 80 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित होने का खतरा है। बिहार,

नीतीश कुमार के पूर्व चाणक्य केसी त्यागी ने थामा जयंत चौधरी का हाथ

लखनऊ। जनता दल यूनाइटेड के दिग्गज नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पूर्व सलाहकार केसी त्यागी अब राष्ट्रीय लोक दल का हिस्सा बन गए हैं। पिछले काफी समय से उनके नई पार्टी में जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं, जिस पर अब विराम लग गया है। केंद्रीय मंत्री और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी की मौजूदगी में त्यागी ने पार्टी की

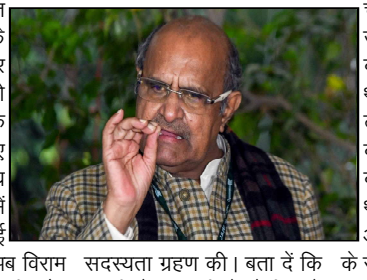

सदस्यता ग्रहण की। बता दें कि त्यागी ने हाल ही में जेडीयू के सदस्यता अभियान के दौरान अपना इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया था, हालांकि उन्होंने उस वक्त इस्तीफे की कोई ठोस वजह नहीं बताई थी। जेडीयू की स्थापना से लेकर राष्ट्रीय पहचान तक का सफरः केसी त्यागी जेडीयू के उन चुनिंदा नेताओं में से थे जो 2003 में समता पार्टी और जनता दल के विलय के समय से ही नीतीश कुमार के साथ खड़े थे। जॉर्ज फर्नांडिस के दौर में वे पार्टी के महासचिव थे और बाद में उन्होंने शरद यादव व नीतीश कुमार के साथ संगठन में मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार जैसे कई महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाली। उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर जेडीयू का सबसे बड़ा चेहरा माना जाता रहा है। अब रालोद में शामिल होने के बाद, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और किसानों की राजनीति में उनके अनुभव का बड़ा लाभ जयंत चौधरी की पार्टी को मिलने की उम्मीद है।

वैचारिक मुद्दों के लिए लिया फैसला

जेडीयू छोड़ते समय केसी त्यागी ने स्पष्ट किया था कि वे दलितों, किसानों और समाज के वंचित वर्गों के व्यापक वैचारिक मुद्दों के प्रति आज भी उतने ही प्रतिबद्ध हैं जितने पहले थे। उन्होंने कहा कि लगभग 50 साल तक उनके साथी रहे नीतीश कुमार के प्रति उनका निजी सम्मान हमेशा बना रहेगा, लेकिन इस बार उन्होंने अपनी पार्टी की सदस्यता का नवीनीकरण नहीं कराया। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पिछले कुछ महीनों में नीतीश कुमार और त्यागी के बीच दूरियां बढ़ गई थीं, जिसके बाद उन्होंने जयंत चौधरी की पार्टी के साथ नई राजनीतिक पारी शुरू करने का फैसला किया।

सुसाइड के लिए उकसाने के आरोप में मंत्री लालजीत भुल्लर की कुर्सी गई

पंजाब के पूर्व परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर इस समय एक बड़े राजनीतिक विवाद के केंद्र में हैं। अमृतसर में तैनात स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा की कथित आत्महत्या के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भुल्लर से इस्तीफा मांग लिया है। रंधावा ने मरने से पहले एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री भुल्लर ने उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और जान देने पर मजबूर किया। इस वीडियो के वायरल होने के बाद विपक्ष ने सरकार को घेर लिया, जिसके जवाब में निष्पक्ष जांच के लिए यह कदम उठाया गया है। पुलिस ने रंधावा की पत्नी की शिकायत पर भुल्लर, उनके पिता और उनके पीए के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। तरनतारन की पट्टी सीट से विधायक लालजीत सिंह भुल्लर का राजनीतिक करियर उतार–चढ़ाव भरा रहा है। 2022 के चुनावों में दिग्गज नेताओं को हराकर वे श्आपश के प्रमुख चेहरों में उभरे, लेकिन जल्द ही विवादों ने उन्हें घेर लिया। कैबिनेट मंत्री बनने के बाद उनका एक वीडियो सामने आया जिसमें वे चलती हुई गाड़ी की सनरूफ से बाहर निकलकर नियमों का उल्लंघन कर रहे थे, जिसके बाद विपक्ष ने उन्हें श्उड़ता मंत्रीश कहना शुरू कर दिया। इसके अलावा, 26 जनवरी 2021 को लाल किले पर हुए हंगामे के दौरान दीप सिद्धू के साथ उनकी मौजूदगी वाले

नौ दिवसीय श्रीराम कथा में राम जन्म का प्रसंग, सोहर गीतों से भक्तिमय हुआ क्षेत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश
पथरा बाजार। सिद्धार्थनगर जिले के पथरा बाजार क्षेत्र के गौरी पाठक में चल रहे नौ दिवसीय श्रीराम कथा महायज्ञ के दौरान कथा के दौरान भगवान श्रीराम के जन्म का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया गया। राम जन्म के प्रसंग को सुनकर पूरा क्षेत्र भक्ति भाव में डूब गया। कथा स्थल पर मौजूद श्रद्धालु राम जन्म की मंगलमयी घड़ी में झूम उठे और महिलाओं ने पारंपरिक सोहर गीत गाकर वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया।कथावाचक ने बताया कि जब अयोध्या के राजा दशरथ को संतान प्राप्ति नहीं हो रही थी, तब उन्होंने महर्षि ऋष्यश्रृंग के मार्गदर्शन में पुत्रेष्टि यज्ञ का आयोजन कराया। यज्ञ के फलस्वरूप भगवान विष्णु ने राजा दशरथ के घर चार पुत्रों के रूप में अवतार लिया। माता कौशल्या के गर्भ से भगवान श्रीराम, माता कैकेयी से भरत तथा माता सुमित्रा से लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। चारों भाइयों के जन्म से अयोध्या नगरी में हर्ष और उल्लास का माहौल छा गया।कथा में बताया गया कि भगवान राम के जन्म की सूचना मिलते ही पूरे नगर में उत्सव मनाया जाने लगा। राजा दशरथ ने प्रजा में धन, वस्त्र और मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी व्यक्त की। नगरवासी भी भगवान के जन्म पर हर्षित होकर एक–दूसरे को बधाई देने लगे और पूरे अयोध्या में मंगल गीत गूंजने लगे।कथावाचक ने यह भी बताया कि भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप के दर्शन करने के लिए सभी देवी–देवता अयोध्या पहुंचे। भगवान शिव भी अपने प्रिय वाहन नंदी के साथ मदारी का रूप धारण कर अयोध्या पहुंचे और भगवान राम के बाल स्वरूप का दर्शन किया। इस अद्भुत प्रसंग को सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और "जय श्रीराम" के जयकारों से कथा पंडाल गूंज उठा।कथा के समापन पर मुख्य यजमान द्वारा भगवान की विधि–विधान से आरती की गई और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। राम कथा के इस दिव्य प्रसंग को सुनने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया।

नवरात्रि स्पेशल क्रम में महिला थाना ने 14 पारिवारिक जोड़ों को किया विदा

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर।नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति फेज 5 के द्वितीय चरण के प्रारम्भ होते ही प्रभारी निरीक्षक महिला थाना श्रीमती भाग्यवती पाण्डेय द्वारा महिला थाना की टीम के साथ रविवार को महिला थाना पर आयोजित परिवार परामर्श केन्द्र के माध्यम से तलाक की कगार पर खड़े विभिन्न कारणो से अलग रह रहे परिवारों के बीच हुए मनमुटाव को दूर कराकर 14 जोडों को एक साथ विदा कराया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा "महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश के क्रम में व अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान के कुशल पर्यवेक्षण में नवरात्रि पर प्रारम्भ कराये गये मिशन शक्ति फेज 5 के द्वितीय चरण मे रविवार को प्रभारी निरीक्षक श्रीमती भाग्यवती पाण्डेय द्वारा महिला थाना की टीम के साथ रविवार को महिला थाना पर आयोजित परिवार परामर्श केन्द्र कार्यक्रम मे विभिन्न कारणो से एक दूसरे से अलग रह रहे तलाक के कगार पर खडे 14 जोडो के बीच मनमुटाव को दूर कराकर लिखित समझौता कराते हुए एक दूसरे के साथ विदा कराते हुए खुशियां लायी गयीं। 14 परिवारो को बिखरने से बचाने मे प्रभारी निरीक्षक श्रीमती भाग्यवती पाण्डेय व काउंसलिंग टीम मे महिला आरक्षी प्रियंबदा सिंह, महिला आरक्षी संगीता गौतम, महिला आरक्षी शिवानी सिंह, महिला आरक्षी रीना, महिला आरक्षी प्रगति राय का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं मनमुटाव 14 जोड़ों में बेनू पत्नी अरविन्द साकिन कल्लाखोर थाना खेसरहा, यशोदा पत्नी प्रमोद साकिन बड्झरा खुर्द थाना लोटन, प्रमिला पत्नी राममोहन साकिन मिझुनिया थाना शोहरतगढ़, नन्दनी पत्नी अभिषेक साकिन सेऊड़ी थाना चिल्हियां, आसमा पत्नी मकसूद साकिन बिलवट थाना पथरा बाजार, विनीता पत्नी अजय उचहरिया थाना उसका बाजार, नीलम पत्नी संदीप साकिन परती थाना उसका बाजार, खलीकुन्निशा पत्नी सलाहुद्दीन साकिन केशवारे थाना खेसरहा, लक्ष्मी पत्नी बृजेश साकिन पिगनिहवा थाना इटवा, गीता पत्नी विजय साकिन सेबुई थाना शोहरतगढ़, रुबी पत्नी मनोज साकिन पनेरी थाना मोहाना, नन्दिनी पत्नी दीपू साकिन मंडौली थाना व जनपद सिद्धार्थनगर, उर्मिला पत्नी दुर्गेश साकिन बरदही थाना गोल्हौरा, किरन पत्नी संगेश साकिन मसिना थाना बांसी थे।

शोहरतगढ़ में सपा ने किया शक्ति प्रदर्शन, निशाने पर रही भाजपा

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। रविवार को शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी की ओर से किसान, नौजवान और मजदूर सम्मेलन का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक अमर सिंह चौधरी के संयोजन में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सपा के वरिष्ठ नेता व सांसद रामप्रसाद चौधरी तथा पूर्व मंत्री शैलेन्द्र उर्फ ललई यादव शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, नौजवान, मजदूर, जिलास्तरीय पदाधिकारी और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।सम्मेलन को संबोधित करते हुए सपा नेताओं ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर किसानों, नौजवानों और गरीबों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। किसानों को गलत नीतियों के कारण संकट झेलना पड़ रहा है, जबकि नौजवान रोजगार के लिए भटक रहे हैं और उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नेताओं ने आने वाले चुनाव में भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने का आह्वान किया।मीडिया से बातचीत में सांसद रामप्रसाद चौधरी और पूर्व मंत्री शैलेन्द्र उर्फ ललई यादव ने कहा कि शोहरतगढ़ में आयोजित यह सम्मेलन समाज के सभी वर्गों को भाजपा सरकार की नीतियों से अवगत कराने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता को सरकार के कथित झूठे वादों और हकीकत के बीच फर्क समझना होगा, ताकि आगामी चुनाव में सही निर्णय लिया जा सके।पूर्व विधायक अमर सिंह चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि गैस एजेंसियों पर किसानों, गरीबों और महिलाओं की लंबी कतारें लग रही हैं। गैस की कमी का असर छोटे दुकानदारों पर भी पड़ रहा है, जिससे उनकी रोजी–रोटी प्रभावित हो रही है। उन्होंने मनरेगा की स्थिति पर भी चिंता जताते हुए कहा कि गांवों में मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिल रही है, जिससे उनकी आर्थिक हालत खराब हो रही है। उन्होंने कहा कि मजदूरों की आमदनी दोगुनी नहीं हुई, बल्कि किसानों की लागत जरूर बढ़ी है। वर्ष 2014 में बेरोजगारी दूर करने का वादा भी पूरा नहीं हुआ।कार्यक्रम में सपा के स्टार गायक धर्मेंद्र सोलंकी ने बिरहा गीतों के माध्यम से भाजपा सरकार पर कटाक्ष किया और उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

सम्मेलन को बांसी के पूर्व विधायक एवं सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव, डुमरियागंज विधायक सैयदा खातून, लोकतंत्र सेनानी बेचई यादव, राममिलन भारती और प्रदीप पत्थरकट्ट ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन घिसियावान यादव ने किया।इस दौरान सपा नेत्री विभा शुक्ला, जावेद अहमद, अलाउद्दीन, हरिराम यादव, कमरुज्जमा, रिंधु पासवान, विजय चौधरी, रामसेवक लोधी, धीरू यादव, राम यादव, अंगद यादव, पप्पू यादव, अब्दुल कलाम, अवनिंद्र चौधरी, शिव शंकर चौधरी, रामदास चौधरी, लाल जी चौधरी, झबलू बाबा, इंदल चौधरी, धर्मेंद्र चौधरी, महेंद्र चौधरी, हरिराम यादव, प्रधान इबरार अली, प्रधान प्रतिनिधि यार मोहम्मद, प्रधान करम हुसैन, प्रधान अजय चौधरी, राजनेत चौरसिया, दुर्गा चौधरी, राजेंद्र भारती, इंद्रमणि चौधरी, रामचंद्र चौधरी, मोहम्मद मुस्लिम, देवराज चौधरी, मोहम्मद समी, चंद्रशेखर त्रिपाठी, शक्तिराम यादव, उमेश यादव, झूंन्नू यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अपना बूथ सबसे मजबूत अभियान: बीएसपी का गांव–गांव में 2027 चुनाव की तैयारियां तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश
भनवापुर/सिद्धार्थनगर । भनवापुर क्षेत्र में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) द्वारा "अपना बूथ सबसे मजबूत" अभियान के तहत संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की कवायद तेज कर दी गई है। रविवार को विधानसभा प्रभारी विजयपाल कनौजिया एवं सेक्टर अध्यक्ष अतुल गौतम के नेतृत्व में कई गांवों में नए बूथ अध्यक्षों का गठन किया गया।यह अभियान कुसम्ही तैयबपुर, सरोथर कठौतिया, महनुआ खास, महतिनिया खुर्द, मन्नीजोत तथा कठौतिया गोकुल सहित विभिन्न गांवों में चलाया गया, जहां कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लेकर संगठन विस्तार को नई दिशा दी।इस दौरान विधानसभा प्रभारी विजयपाल कनौजिया ने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बहुजन समाज पार्टी पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी। उन्होंने बताया कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य सभी समाजों को जोड़कर बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाना है, ताकि पार्टी की नीतियां और विचारधारा हर घर और हर व्यक्ति तक पहुंच सके।सेक्टर महासचिव रामनरेश गौतम ने भी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पार्टी को मजबूत बनाने में जुटें और बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय रखें।कार्यक्रम के दौरान अशोक कुमार निषाद, गुलाम हुसैन, मोहम्मद सलाम, राजेश वर्मा, रामबचन, गोवर्धन मौर्य, विजय कुमार भारती, बजरंगी गौतम, मसीउर्र रहमान, संत गुलाम एवं .ष्ण कुमार गौतम सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।इस अभियान के माध्यम से बीएसपी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह आगामी चुनावों को लेकर पूरी तरह सक्रिय हो चुकी है और जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

हाइवे, सड़क के किनारे खड़े वाहनों से डीजल चोरी करने वाले गैंग का पुलिस ने किया खुलासा, 5 शातिर चोर गिरफ्तार

कुशीनगर। जनपद के कसया पुलिस ने हाइवे, सडक के किनारे खड़े वाहनो से डीजल चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश कर पाँच शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लगभग 75 लीटर डीजल, एक अर्टिगा कार, एक अदद टैंकर सहित घटना में प्रयुक्त दो अदद लोहे की राड बरामद किया है। एसपी मीडिया सेल से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कसया पुलिस टीम द्वारा सड़क, रोड के किनारे खड़े वाहनो से डीजल चोरी करने वाले अभियुक्त नितेश उर्फ बाबूलाल पासवान पुत्र वंशु पासवान निवासी रामनगर करजहा धूसी टोला थाना खोराबार जनपद गोरखपुर, रितविक रावत पुत्र उमानन्द रावत निवासी विलन्दपुर डी0आई0जी0 बग्ला के सामने थाना कैंट जनपद गोरखपुर, शुभम यादव पुत्र गिरधारी लाल यादव निवासी नसीराबाद मारवाड़ इण्टर कालेज के पास वार्ड नं0 63 थाना कोतवाली जनपद गोरखपुर, मोनू उर्फ श्याम सूरत पासवान पुत्र रमाशंकर उर्फ शंकर पासवान निवासी राजधानी टोला ध नवारपार थाना झगहा जनपद गोरखपुर व आदित्य गुप्ता उर्फ गोलू पुत्र हरेन्द्र गुप्ता निवासी कुंवर बखरा थाना गौरीबाजार जनपद देवरिया को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किया गया 75 लीटर डीजल, घटना में प्रयुक्त दो अदद लोहे की राड, दो अदद प्लास्टिक की पाईप व पांच अदद 50 लीटर की प्लाटिक की गैलन, एक अदद अर्टिगा कार रजि0नं0 यूपी 53 एफए 1527 व एक अदद टैंकर रजि0नं0 यूपी 53 डीटी 5963 की बरामदगी की गई। पुलिसिया पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि हम लोग टैंकर से बैतालपुर डीपो से तेल ले जाकर भिन्न भिन्न पेट्रोल पम्पों पर पहुंचाते है तथा रात में सभी लोग मिलकर अपने आर्टिगा कार के नम्बर प्लेट को काले रंग के मैटेरियल व ग्रीस से अपने गाड़ी के नम्बर छुपाकर या नम्बर प्लेट बदलकर अपनी पहचान छुपाकर रोड के किनारे, हाईवे पर खड़े टैंकरो, ट्रको व अन्य वाहनों से रात्रि में पाईप के माध्यम से डीजल चोरी से निकालकर गैलन में एकत्र कर तथा टैंकर मे भरकर बेच देते है। पुलिस टीम ने गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 0177ध्2026 धारा 2(30), 317(2), 317(4), 317(5), 318(4), 336(3), 338, 340(2), 111(2), 61(2) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक आशुतोष सिह, उ0नि0 रुद्र प्रताप सिंह, उ0नि0 गौरव श्रीवास्तव, उ0नि0 पंकज सिंह, उ0नि0 गनेश प्रजापति, का0 उमाशंकर, का0 आलोक यादव, का0 अभिषेक राय, का0 सूरज मिश्रा, का0 ज्ञान प्रकाश चौहान शामिल रहे।

जल अर्पण दिवस पर विधायक अनिल त्रिपाठी किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश/राम बेलास प्रजापति
संत कबीर नगर। साथ विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत करमा कला और मटौरा मे विश्व जल दिवस के अवसर पर जल जीवन मिशन द्वारा आयोजित जल अर्पण 2026 समारोह का भव्य आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा फिता काटकर उद्घाटन किया गया।अनिल कुमार त्रिपाठी ने कहा कि जल जीवन का आधार है और इसके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की हर घर जल योजना ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो रही है। जिससे गांव–गांव तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि स्वच्छ जल का सदुपयोग करें और अनावश्यक रूप से जल की बर्बादी से बचें। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की उपयोगिता, जल संरक्षण के उपायों तथा जल स्रोतों को सुरक्षित रखने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी ने कहा कि जल जनित बीमारियों को रोकने के लिए शुद्ध पानी आवश्यक होता है। शुद्ध पानी और शुद्ध हवा के बगैर मानव जीवन संभव नहीं है। इसी को ध्यान मे रखकर केंद्र और प्रदेश सरकार गांव–गांव शुद्ध पानी उपलब्ध कराने के लिए ओवरहेड टैंक का निर्माण करा रही हैं। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण को लेकर ग्रामीणों को शपथ भी दिलाई गई और जल बचाने के लिए दैनिक जीवन में अपनाए जाने वाले सरल उपायों पर चर्चा की गई। जल जीवन मिशन के अधिशासी अभियंता (ग्रामीण) जय नारायण यादव ने कहा कि शासन के मंशा के अनुरूप यहां पर 251.62 लाख रुपये की लागत से बनने वाले ओवरहेड टैंक का निर्माण कार्य पूरा कर दिया गया। उद्घाटन के दौरान ओवरहेड टैंक का ट्रायल भी किया गया जिससे टोटी के रास्ते घर–घर पानी निकला। इस अवसर पर जल जीवन मिशन के सहायक अभियंता जे एन यादव, प्रोजेक्टर मैनेजर लालचंद,क्ड्ड पंकज कुमार, साथा ब्लॉक प्रमुख अरविंद जयसवाल, विपिन सिंह, एडियो पंचायत मौनुद्दीन सिद्दीकी ,चंद्रशेखर यादव, अभिषेक पांडे ,मनोज पाल, अभिषेक पटेल, प्रशांत,राकेश चौधरी,महेश दुबे,राजू पांडे,राधेश्याम चौरसिया, हेमंत चौधरी,ग्राम प्रधान आदि मौजूद रहे।

मानक–विरुद्ध टोल वसूली रोकने की मांग को लेकर विधायक महेन्द्रनाथ यादव को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश
बस्ती। रविवार को ट्रक एसोसिएशन अध्यक्ष राजकुमार सिंह के नेतृत्व में वाहन चालकों ने समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि मानक–विरुद्ध टोल वसूली बंद कराया जाय। ज्ञापन लेने के बाद विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि उन्होने इस समस्या को विधानसभा में उठाया था, उसके बाद अवैध वसूली बंद हुई थी। पुनः जिलाधिकारी से मिलकर अवैध वसूली बंद कराया जायेगा। जरूरत पड़ी तो ट्रक एसोसिएशन से मिलकर लोकतांत्रिक ढंग से आन्दोलन किया जायेगा।ज्ञापन लेने के बाद ट्रक एसोसिएशन अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि समस्या के समाधान हेतु जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी एवं अन्य सक्षम अधिकारियों के समक्ष कई बार निवेदन किया गया किन्तु आज तक कोई ठोस एवं न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित नहीं किया गया है। कहा कि मड़वानगर टोल प्लाजा को पूर्व की तरह टोल–मुक्त किया जाए अन्यथा एसोसिएशन संघर्ष को बाध्य होगा। विधायक महेन्द्रनाथ यादव को ज्ञापन देने के दौरान मुख्य रूप से छोटू गुप्ता, अनुरोध सिंह, दीपक सिंह, आदित्य कुमार, अवधेश कुमार, मोतीराम चौधरी, सुमित चौधरी, हीरालाल चौधरी आदि शामिल रहे।

राम जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर मंदिर समिति पदाधिकारियों ने की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर।नवरात्रि पर्व एवं भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कमेटी के महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता द्वारा रविवार को मंदिर परिसर में श्रीराम जानकी मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारियों की बैठक बुलाई गयी। बैठक समिति के अध्यक्ष नंदू गौड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें कार्यक्रम को भव्य रूप से मनाने पर चर्चा किया गया।मंदिर कमेटी के अध्यक्ष नंदू गौड़ ने कहा कि भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव हर वर्ष श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष भी कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए रूपरेखा तय की जा रही है। इसके लिए समिति के पदाधिकारियों को अलग–अलग जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, ताकि आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।समिति के संरक्षक एवं चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि कार्यक्रम की भव्यता और सुव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए बैठक बुलाई गई है। बैठक में श्याम बाबा मंदिर के नवनिर्माण को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि फिलहाल मंदिर निर्माण को लेकर समिति की ओर से कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं किया गया है।बैठक का संचालन कमेटी के महामंत्री मनोज गुप्ता ने किया। इस अवसर पर शिवपूजन वर्मा 'भोलेनाथ', किशोरी लाल, राजकुमार मोदनवाल, महाबीर वर्मा, शैलेन्द्र कौशल, दिलीप वर्मा, रंजीत मित्तल, अशोक दूबे, रामकुमार कसौधन, दिनेश कुमार, रामसेवक गुप्ता, अनूप कसौधन, बीरेंद्र गौड़, बीएन तिवारी, चंचल मित्तल, सुनील शर्मा, श्रवण पटवा, सर्वेश कुमार खेतान, पिंकू त्रिपाठी, महेश कसौधन, चिंटू भारती, रिंकू वर्मा, जीतेन्द्र पाण्डेय, रामकुमार कसौधन, दिनेश कुमार, रामसेवक कसौधन, दिनेश यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आरएसएस ने भारतीय नववर्ष व डा. हेडगेवार की जयंती मनाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय नववर्ष (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की जयंती पर नौगढ़ नगर द्वारा रविवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज परिसर में वर्ष प्रतिपदा उत्सव मनाया गया।

स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए आरएसएस के विभाग प्रचारक राजीव नयन ने कहा कि भारतीय नववर्ष का आरंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होता है, इसे सृष्टि के प्रारंभ का द्योतक माना गया है। यह केवल तिथि परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि प्र.ति, संस्.ति, नवसृजन का जीवंत प्रतीक है। नई पीढ़ी को भारतीय नववर्ष का महत्व नहीं पता है, इसलिए यह विदेशी नववर्ष को धूमधाम से मनाते हैं। हमारे व्रत–त्योहार, विवाह, गृहप्रवेश एवं अनेक शुभ कार्य हिंदू पंचांग के अनुसार ही होते हैं, इसलिए पंचांग के माह–तिथि की समझ आवश्यक है। बताया कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. हेडगेवार का जन्म भारतीय नववर्ष के दिन हुआ था और बचपन से ही उनमें प्रखर राष्ट्रभक्ति की भावना निहित थी। अंग्रेजी शासन के अत्याचार एवं हिंदू समाज की दयनीय स्थिति को देखकर उन्होंने चिकित्सकीय शिक्षा पूर्ण करने के बाद राष्ट्रसेवा का संकल्प लिया और वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। कहा कि संघ ने व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्तमान में पूरे विश्व में संघर्ष और अस्थिरता का दौर है, ऐसे में विश्व की आशा भारत व सनातन संस्.ति, वसुधैव कुटुम्बकम् व सर्वे भवन्तु सुखिनः के मूल मंत्र पर टिक गई है। भारत की यह अवधारणा ही वैश्विक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने पंच परिवर्तन के सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी एवं नागरिक कर्तव्यबोध के माध्यम से भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने का संकल्प दोहराया। भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर व दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुरुआत हुआ। नगर कार्यवाह अभय ने अतिथि परिचय कराया व सह जिला कार्यवाह मनोज ने एकल गीत गाया। इस दौरान नगर संघचालक रणजीत, जिला प्रचारक विशाल, नगर प्रचारक अरुणेश, प्रचार प्रमुख रूपेश सिंह, सांसद जगदंबिका पाल, जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, मुरलीधर, फतेबहादुर सिंह, सतीश रस्तोगी, नंदलाल रस्तोगी, विकास पांडेय, माहेश्वर पांडेय, सत्यव्रत, राजेश त्रिपाठी, वशिष्ठ, आर्चिष्मान, एसपी अग्रवाल, अमन, योगेश, सुरेश रैना आदि मौजूद रहे।

वन हैं तो जल हैः इकोसिस्टम बचाने में वनों की अहम भूमिका- डीएफओ नीला एम.

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विश्व जल दिवस के अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) नीला एम. ने जनपदवासियों से जल संरक्षण और वन संरक्षण के प्रति जागरूक होने की अपील की। उन्होंने कहा कि "वन हैं तो जल है" केवल एक नारा नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी संतुलन का मूल सिद्धांत है।डीएफओ ने बताया कि वन विभाग द्वारा जल संरक्षण, जलभराव क्षमता बढ़ाने और जल संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। विशेष रूप से वृक्षारोपण और जल ग्रहण क्षेत्र प्रबंधन के माध्यम से भूमि की जल सोखने की क्षमता बढ़ाई जा रही है, जिससे भूजल स्तर में सुधार होता है।उन्होंने कहा कि वनों में मौजूद पेड़–पौधे और झाड़ियां मिट्टी के कटाव को रोकती हैं और वर्षा जल को बहने से रोककर उसे जमीन में समाहित करने में मदद करती हैं। इससे न केवल जल संरक्षण होता है, बल्कि जल प्रदूषण भी कम होता है।डीएफओ नीला एम. ने यह भी बताया कि जिला गंगा समिति के माध्यम से नदियों की स्वच्छता और जल संरक्षण के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, जिससे आमजन को इस दिशा में प्रेरित किया जा सके।उन्होंने अंत में जनपदवासियों से अपील की कि इस विश्व जल दिवस पर सभी लोग मिलकर वन संरक्षण और जल संरक्षण का संकल्प लें, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रा.तिक संसाधनों को सुरक्षित रखा जा सके।

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी विशाल को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। खेसरहा थाना क्षेत्र के एक गांव में आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में शनिवार को पुलिस ने आरोपी विशाल को क्षेत्र से गिरतार लिया।पूछताछ के बाद उसे स्पेशल कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पीड़िता की मां की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज करके पुलिस मामले की जांच कर रही थी।जानकारी के अनुसार,एक गांव की रंगीता (22) का शव कमरे में फंदे से लटकता मिला था। मृतका की मां निर्मला ने दो मार्च को मामले में खेसरहा थाने में तहरीर दी थी।पुलिस ने उसी दिन प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी थी। मृतक की मां निर्मला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव निवासी विशाल ने उनकी पुत्री को 16 फरवरी 2025 को अगवा कर मंदिर में शादी कर ली थी। इसके बाद उससे किनारा कर लिया था।पुत्री ने जब कोर्ट मैरिज का दबाव बनाया तो विशाल और उसके घरवालों ने पिटाई की। इसके बाद मेरे पास घर आ गई। इसके बाद भी विशाल फोन करके धमकी आदि देता था। इसी बात से आहत होकर बेटी में खुदकुशी कर ली थी।

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल और जिलाध्यक्ष ने फूल माला पहनाकर मनोनीत सभासदो का किया स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने हाल ही में शासन द्वारा मनोनीत किए गए सभासदों को फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।उन्होंने कहा कि यह कदम क्षेत्रीय विकास और स्थानीय प्रशासन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पल है।सांसद कार्यालय पर आयोजित एक सम्मान समारोह में उसका बाज़ार, कपिलवस्तु नगर पंचायत, बढ़नी नगर पंचायत, बढ़नी चाफ़ा और डुमरियागंज नगर पंचायत के नव मनोनीत सदस्यों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने मनोनीत सभासदों को मिठाई खिलाकर उनके सफ़ल कार्यकाल की मंगलकामना किया। सम्मानित होने वाले सभासद नगर पंचायत उसका बाज़ार पवन जायसवाल, दिलीप सिंह, सावित्री देवी, नगर पंचायत बढ़नी अनीता जायसवाल, नगर पंचायत कपिलवस्तु विजय कश्यप, नीतीश पांडेय, नगर पंचायत बढ़नी चाफा संतोष गुप्ता, नगर पंचायत डुमरियागंज शशि प्रकाश अग्रहरि।भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने सभासदों का व्यक्तिगत रूप से अभिनंदन किया और उन्हें संगठन व शासन की अपेक्षा के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रेरित किया। सांसद जगदंबिका पाल ने विकास और "जनसेवा का संकल्प" सभासदों को संबोधित करते हुए कहा कि सभासद की भूमिका केवल नगर पंचायत की बैठको तक सीमित नहीं है।उन्होंने जोर देकर कहा मनोनीत सभासद शासन और जनता के बीच की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।नगर के सर्वांगीण विकास,स्थानीय जन समस्याओं त्वरित समाधान और उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने में आपकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक मौर्य ने सभी नव नियुक्त सदस्यों से आहान किया कि वे "जनहित सर्वोपरि" है के मूलमंत्र को ध्यान में रखते हुए अपने उत्तरदायित्वो का निर्वाहन करें। उन्होंने विश्वास जताया कि इन युवा अनुभवी और ऊर्जावान सदस्यों के जुड़ने से नगर पंचायत के विकास कार्यो को नई गति मिलेगी।इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और ज़िले के पदाधिकारी भी मौजूद रहें जिन्होंने मनोनीत सदस्यों का उत्साहवर्धन किया।नवनियुक्त सभासदों सांसद,विधायक, भाजपा के शेष नेतृत्व का आभार व्यक्त कर कहा कि वे पूरी निष्ठा के साथ नगर की स्वच्छता , बुनियादी ढांचे और जनकल्याण के लिए समर्पित रहेंगे।

दीपक कुमार का नवोदय विद्यालय में हुआ चयन, शिक्षक व विद्यालय का बढ़ाया मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

चिल्हियां/सिद्धार्थनगर।जनपद सिद्धार्थनगर के बर्डपुर क्षेत्र से एक होनहार छात्र ने सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मॉडर्न पब्लिक स्कूल अलीगढ़वा में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र दीपक कुमार पुत्र महेन्द्र चौधरी, निवासी ग्राम पंचायत बर्डपुर नं0 1 पोखरभिटवा का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय में हो गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दीपक कुमार ने नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा–2026 में उत्.ष्ट प्रदर्शन करते हुए 95 अंक प्राप्त किये। वर्तमान में वह कक्षा 5 उत्तीर्ण कर चुके हैं और अब उनका प्रवेश कक्षा 6 में जवाहर नवोदय विद्यालय बांसी में होगा।दीपक की इस सफलता से उनके परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनकी माता गृहणी हैं, जबकि पिता अलीगढ़वा में एक किराने की दुकान चलाकर परिवार का भरण–पोषण करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद दीपक ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। इस उपलब्धि में उनके शिक्षक वीरेन्द्र कसौधन का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने उन्हें निरन्तर मार्गदर्शन दिया। वहीं विद्यालय के प्रिंसिपल सुनील कुमार ने भी छात्र की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे विद्यालय के लिए गर्व की बात है। छात्र की इस सफलता से क्षेत्र में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ा है और अन्य विद्यार्थियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है।श्फोटो 09

करही चौराहे पर से बाइकों में भिड़ंत, दो युवक घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

तिलौली। थाना शिवनगर डिड़ई क्षेत्र के एनएच–233 स्थित करही चौराहे पर शनिवार दोपहर दो बाइकों की भिड़ंत हो गई। घटना में खेसरहा क्षेत्र के बनके गांव निवासी 20 वर्षीय साहिल व थाना क्षेत्र के ही बनकटा निवासी लगभग 22 वर्षीय आशुतोष पांडेय गंभीर रूप से घायल हो गए।दोनों घायलों को तिलौली स्थित सीएचसी पहुंचाया।प्राथमिक उपचार के बाद घायलों के परिजन आगे इलाज के लिए अन्यत्र ले गए। घायलों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। आशुतोष पांडेय शिवनगर थाना क्षेत्र के गौरागढ़ अपने बहन के घर जा रहे थे, साहिल भी ईद के चलते रिश्तेदारी में गया था।

शहर में अमृतमयी श्रीराम कथा महोत्सव के तीसरे दिन उमड़ी आस्था की अपार भीड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शहर स्थित नगर पालिका के अवेद्यनाथ सभागार में आयोजित अमृतमयी श्रीराम कथा महोत्सव के तीसरे दिन रविवार को भक्ति, उल्लास और आस्था का अलौकिक .श्य देखने को मिला। कथा के दौरान जैसे ही प्रभु श्रीराम के जन्म का प्रसंग आया, पूरा सभागार जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति के रस में ऐसे डूबे कि मानो साक्षात अयोध्या धाम का वातावरण साकार हो गया हो। तीसरे दिन यजमान के रूप में चीफ फार्मासिस्ट डॉ. योगेंद्र प्रसाद यादव, प्रमुख व्यवसायी मिट्ठू कसौंधन, महेश्वर अग्रहरी रहे, जिन्होंने अपनी–अपनी धर्म पत्नियों के साथ पूजन अर्चन किया। सायं शुरू प्रवचल में अयोध्या धाम से पधारे अंतरराष्ट्रीय कथावाचक गौरव .ष्ण शास्त्री ने संगीतमयी शैली में श्रीराम जन्म का अत्यंत भावपूर्ण और हृदयस्पर्शी वर्णन किया। उन्होंने अपने मधुर भजनों, मार्मिक व्याख्यान और जीवंत प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा के दौरान कई श्रद्धालु भावुक होकर अश्रुपूरित हो उठे, वहीं कुछ भक्त भजनों की धुन पर झूमते नजर आए। कथावाचक ने कहा कि भगवान श्रीराम का अवतार केवल रावण वध के लिए नहीं, बल्कि समाज को मर्यादा, धर्म और आदर्श जीवन का मार्ग दिखाने के लिए हुआ था। श्रीराम का जीवन त्याग, सत्य और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है, जो हर युग में मानवता को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि जब–जब संसार में अधर्म और अन्याय बढ़ता है, तब–तब भगवान विभिन्न रूपों में अवतरित होकर धर्म की स्थापना करते हैं। कथा स्थल पर भक्ति का ऐसा वातावरण बना कि पूरा सभागार भजन–कीर्तन से गूंजता रहा। श्रद्धालु हाथों में तालियां बजाते हुए भक्ति गीतों का आनंद लेते रहे। महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे सभी एक स्वर में प्रभु श्रीराम के जयकारे लगाते हुए नजर आए। आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे पूरा माहौल और अधिक आध्यात्मिक हो उठा। महोत्सव में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और कथा का श्रवण कर अपने जीवन को धन्य बना रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि आगामी दिनों में श्रीराम कथा के अन्य महत्वपूर्ण प्रसंगों का संगीतमयी वर्णन किया जाएगा, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह बना हुआ है। कथावाचक का संगत देने वालों में वतन उपाध्याय आरंगन बादक, आदित्य गौस्वामी तबला वादक व रवि उपाध्याय पैड बादक शामिल हैं। जबकि महोत्सव में कड़ी मेहनत कर सफल बनाने वालों में मनीष शुक्ल, अध्यक्ष शिवदत्त अग्रहरि, महामंत्री नीरज श्रीवास्तव, संयोजक शुभम श्रीवास्तव, सह संयोजक संदीप जायसवाल, राघवेंद्र यादव, रमेश गुप्त, अरुण कुमार प्रजापति, रजनीश उपाध्याय, विनोद बजाज, अनिल वर्मा, सुनील श्रीवास्तव, श्रीश श्रीवास्तव, पंकज पासवान, आशा उपाध्याय, श्रीमती सोनू कसौंधन, साधना श्रीवास्तव आदि की भूमिका अहम रही।

स्कूली बच्चों ने की गोरखपुर की सैर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विगत दिनों राष्ट्रीय अविष्कार अभियान एवं अन्य प्रतियोगिताओं में सफल परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने रविवार को गोरखपुर का शैक्षिक भ्रमण किया। सदर ब्लॉक नौगढ़ के खंड शिक्षा अधिकारी रामकुमार सिंह के नेतृत्व में लगभग चार दर्जन बच्चों और शिक्षकों के दल ने नौगढ़ से गोरखपुर की रोचक यात्रा करते हुए रेल म्यूजियम, गोरखनाथ मंदिर, शहीद अशफाकउल्लाह मेमोरियल चिड़िया घर एवं नौका विहार आदि की सैर करने के साथ ही अपने मार्गदर्शक शिक्षकों से पर्यावरणीय एवं ऐतिहासिक ज्ञान भी प्राप्त किया। बीईओ रामकुमार सिंह ने बताया कि शैक्षिक भ्रमण से परिषदीय विद्यालयों के बच्चों में शैक्षिक अधिगम क्षमता की वृद्धि के साथ ही एक नये उत्साह का संचार भी होता है। शैक्षिक भ्रमण दल में कंपोजिट स्कूल लमतिहवा, गनेरा, भीमापार, रेहरा एवं सनी लंगड़ी आदि के बच्चों सहित सत्येन्द्र गुप्ता, आलोक श्रीनेत, धर्मेन्द्र चौधरी, दीपक श्रीवास्तव, संजय कुमार, सूरज, सुनील, दीपशिखा एवं आरती चौधरी आदि शिक्षकों, कर्मचारियों ने शैक्षिक भ्रमण में अपना उल्लेखनीय सहयोग दिया।

टिकुइया चौराहे के पास सड़क किनारे मिला युवक का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा। थाना क्षेत्र के टिकुइया चौराहे के पास शनिवार सुबह युवक का शव सड़क किनारे कचरे के ढेर के पास मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। उसकी मृतक की पहचान तेलियाडीह गांव निवासी राजू साहनी (36) के रूप में हुई है, जो शुक्रवार को किसी काम से इटवा आया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।जानकारी के अनुसार, गोल्हौरा थाना क्षेत्र के तेलियाडीह गांव निवासी राजू साहनी घर पर ही रहता था। परिवार के लोगों ने बताया कि शुक्रवार को किसी आवश्यक कार्य से इटवा गया था। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजन चिंतित थे। इसी बीच शनिवार सुबह टिकुइया चौराहे के पास सड़क किनारे कचरे के ढेर के पास उसका शव पड़ा मिला।स्थानीय लोगों ने सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची इटवा पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

नवरात्रि पर चेयरमैन उमा अग्रवाल ने माँ पल्टा देवी मंदिर में किया पूजन-अर्चन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर पंचायत शोहरतगढ़ की चेयरमैन उमा अग्रवाल ने अपने परिवार के साथ क्षेत्र के प्रसिद्ध देवी स्थान माँ पल्टा देवी मंदिर पहुंचकर पूजा–अर्चना की। इस दौरान उन्होंने नगर एवं क्षेत्रवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। माँ पल्टा देवी मंदिर की महिमा दूर–दूर तक विख्यात है। श्रद्धालुओं में मान्यता है कि मां के दरबार में सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूरी होती है और भक्तों की मनोकामनाएं माता की .पा से पूर्ण होती हैं। मंदिर को लेकर यह भी जनश्रुति है कि इसका इतिहास द्वापर युग और महाभारत काल से जुड़ा है। मान्यता है कि पांडवों ने यहां दर्शन–पूजन के बाद अपना राजपाट पुनः प्राप्त किया था। मंदिर परिसर में दर्शन–पूजन के दौरान भक्तों की भीड़ रही। इस अवसर पर चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

पुलिस ने बहू-बेटी सम्मेलन कार्यक्रम में पुलिस ने दी हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।महिला सशक्तिकरण के क्रम में मिशन शक्ति केन्द्र स्थापना के उपरान्त नारी सुरक्षा एवं स्वालम्बन के लिए समर्पित प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ के निर्देशन में बहू–बेटी सम्मेलन चलाया गया। वहीं बहू–बेटी कार्यक्रम चलाकर महिलाओ को सुरक्षा के बारें में हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान" के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के कुशल पर्यवेक्षण में रविवार को प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह के निर्देशन में थाना क्षेत्र ग्राम झरुआ थाना शोहरतगढ़ में मौजूद रहे बच्चियों को जागरूक किया गया। वहीं बच्चियों के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारें में जानकारी दी गयी। वहीं दहेज उत्पीड़न पॉक्सो एक्ट महिला सम्बन्धित मुकदमों में पीड़िताओं की काउंसलिंग की गई तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं, के बारें में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 फ़ेज द्वितीय के विषय में महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नम्बर व नये कानून के बारें में जानकारी दी गई। जिसमें महिलाओं की संख्या 40 एवं बालिकाओं की संख्या 15 थी। कार्यक्रम में यातायात नियमों के सम्बन्ध में भी जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान थाना शोहरतगढ़ की मिशन शक्ति टीम में महिला कांस्टेबल साक्षी सिंह, महिला कांस्टेबल रूबी दूबे, महिला कांस्टेबल शोभा भारती उपस्थित रहीं।

सम्पादकीय

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग को पिछले वर्ष वेतन का भुगतान न होने, सुरक्षा उपकरणों की कमी और जाति आधारित भेदभाव को लेकर करीब 842 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जो इस बात का प्रमाण हैं कि समस्या की जड़ें बहुत गहरे रूप में विद्यमान हैं। हालांकि सरकारी दावा है कि सफाई का काम व्यवसाय पर आध ारित है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सदियों से हाशिये पर पड़े समुदायों के श्रमिकों के ...

बंद हो मैला सफाई की अमानवीय प्रथा

सदियों की लाचारी और समाज की संवेदनहीनता के चलते हाथ से सीवर की सफाई की अमानवीय प्रथा बदस्तूर जारी है। जारी ही नहीं है बल्कि मजबूर सफाई कर्मियों की मौत का सबब भी बनी हुई है। निश्चय ही यह घिनौनी प्रथा किसी भी सभ्य समाज के लिये एक कलंक के समान ही है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हाथ से सीवर लाइन साफ करने की प्रथा मजबूर लोगों की लगातार जान ले रही है। हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े इस समस्या के भयावह पक्ष को ही उजागर करते हैं। केंद्र सरकार की ओर बीते सप्ताह लोकसभा में बताया गया कि साल 2017 से अब तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करते हुए 620 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत हो चुकी है। कहना कठिन है कि ये आंकड़े वास्तविक हैं और सभी मौतों को देश में रिपोर्ट किया जा रहा है। ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ठेकेदार दिहाड़ीदार सफाई कर्मियों की मौत को रफा–दफा करने का प्रयास करते हैं। कुछ चतुर–चालाक लोग परिजनों की मजबूरी को भांपते हुए छोटी–मोटी रकम देकर मामले पर पर्दा डाल देते हैं। ऐसे मामले शायद ही सामने आते हों कि सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद सफाईकर्मियों से सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने वाले ठेकेदार व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दंडित किया गया हो। क्या किसी लोकतांत्रिक समाज में किसी मजबूर सफाईकर्मी के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? निस्संदेह, लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े घोर लापरवाही को ही उजागर करते हैं। विडंबना यह भी है कि जहां करीब 539 परिवारों को पूरा मुआवजा मिला है, वहीं करीब 52 परिवारों को कोई पैसा नहीं मिला। निर्विवाद रूप से किसी मृत सफाई कर्मी के परिजनों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता कोई दान नहीं है, बल्कि समाज का एक कानूनी और नैतिक दायित्व भी है। जब इस जरूरी सहायता में कोई कमी रह जाती है तो हमारी व्यवस्थागत उदासीनता ही उजागर होती है। निस्संदेह, यह कष्टकारी स्थिति साल 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर सवालिया निशान लगाती है। वहीं सरकारी दावा है कि मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013 में किए गए एक सर्वेक्षण में देशभर के किसी भी जिले में हाथ से मैला साफ करने वाले सफाईकर्मी नहीं पाए गए हैं। सवाल ये है कि जब हाथ से सफाई करने वाले सफाई कर्मचारी देश में नहीं हैं तो सीवर व सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के चपेट में आकर लोगों के मरने की खबरें कैसे आ रही हैं? यह दुखद ही है कि बीते मंगलवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एक प्रमुख अस्पताल में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन सफाई कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। सीवर–सेप्टिक टैंक की सफाई में मशीन के उपयोग को बढ़ावा देकर मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के उद्देश्य से ही सरकार द्वारा साल 2023–24 में शुरू की गई राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकीय तंत्र यानी नमस्ते परियोजना को अभी भी लंबा रास्ता तय करना है। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने पिछले दिनों स्वीकार किया था कि मशीनीकरण के कारण दक्षता या सफाई व्यवस्था में सुधार के जरूरी संकेतक अभी तक पहचान में नहीं आए हैं। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग को पिछले वर्ष वेतन का भुगतान न होने, सुरक्षा उपकरणों की कमी और जाति आधारित भेदभाव को लेकर करीब 842 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जो इस बात का प्रमाण हैं कि समस्या की जड़ें बहुत गहरे रूप में विद्यमान हैं। हालांकि सरकारी दावा है कि सफाई का काम व्यवसाय पर आधारित है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सदियों से हाशिये पर पड़े समुदायों के श्रमिकों के बूते ही सफाई व्यवस्था चलायी जा रही है। निस्संदेह, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का दावा करने वाले समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी नागरिक को अमानवीय परिस्थितियों में काम करने के लिये बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। श्रम की गरिमा के सवाल का जबाव महज एक नारे से हासिल नहीं किया जा सकता। इसे एक जमीनी हकीकत बनाना होगा।

आखिर एक ही सवाल के कितने जवाब

सरकार कह रही है कि गैस है। गैस की कोई कमी नहीं है। और आप तो जानते हैं कि सरकारी बयानों में किसी चीज की कमी कोई कमी नहीं होती। होती है क्या? सवाल यह था, बल्कि है भी कि गैस है क्या? यह सवाल किसी डॉक्टर ने मरीज से नहीं पूछा और किसी मरीज ने डॉक्टर से भी नहीं पूछा। जी हां, गैस एक बीमारी भी है। यह पेट में रहे तो अफारा आ जाता है, दिल के आसपास हो तो हृदयघात का–सा डर सताने लगता है। और कुछ लोगों का तो यह भी मानना है कि यह सिर चढ़कर भी बोलती है–गरूर की तरह से। एक गैस वह भी होती है जो फैक्टरियों–कारखानों वगैरह से गफलत में रिस जाती है और न जाने कितने ही लोगों की जान ले लेती है। भोपाल में तो इसने हजारों लोगों की जान ले ली थी, लेकिन दो–चार–दस लोगों की जान तो छोटी–मोटी फैक्टरियों से रिसने वाली गैस भी ले ही लेती है। मजदूरों तथा यूनियनों का तो बल्कि यह आरोप होता है कि यह गफलत उतनी नहीं होती, जितनी सुरक्षा में चूक होती है। फिर एक गैस गटर की होती है। नहीं वो वाली नहीं, जिसकी आजकल बड़ी चर्चा है और जिस पर मीम वगैरह न जाने क्या–क्या बन रहे हैं। बल्कि अब तो वह राजनीतिक विरोध प्रदर्शन का भी एक रूप हो ली है। खैर, हम गटर की उस जहरीली गैस की बात कर रहे हैं, जिससे गटर की सफाई करते हुए न जाने कितने सफाईकर्मी अपनी जानें गवां चुके हैं। लेकिन इनमें से किसी गैस का अभी कोई जिक्र नहीं है। अभी तो जो यह सवाल पूछा जा रहा है कि गैस है क्या, यह उस गैस के लिए पूछा जा रहा है, जिससे खाना बनता है। वैसे खाना गोबर गैस से भी बनता है। पर अभी उसका भी कोई जिक्र नहीं है। बल्कि उसे तो इस लायक भी नहीं माना जा रहा उसे नाले की गैस जितना भी महत्व दिया जा सके। तो यह जो खाना पकाने वाली गैस है और जो सिलेंडर में भरकर आती है, सवाल उसी के बारे में पूछा जा रहा है कि गैस है क्या? हालांकि, इस सवाल में सरकार विरोधी होने से लेकर देशद्रोही होने तक की अपार संभावनाएं छुपी हुई हैं, लेकिन फिर भी पूछा जा रहा है। इस सवाल के उठते ही गृहस्थिने घबरा उठी हैं और गृहस्थ सिलेंडर लेकर गैस एजेंसियों और डिपुओं की तरफ दौड़ पड़ते हैं। रेस्तरां वाले कह रहे हैं कि गैस नहीं है। नहीं वे वैसे नहीं कह रहे हैं जैसे राशन डिपोवाला कह देता है कि राशन नहीं है। उसे तो राशन ब्लैक करना होता है न। रेस्तरां वाले को खाना ब्लैक थोड़े ही करना है। बल्कि अब तो सिलेंडर ब्लैक करने वाला भी कह रहा है कि गैस नहीं है। हालांकि, जिस जमाने में सिनेमा के टिकट ब्लैक में बिकते थे, तब किसी भी ब्लैकिए ने यह नहीं कहा कि टिकट नहीं है। लेकिन सरकार कह रही है कि गैस है। गैस की कोई कमी नहीं है। और आप तो जानते हैं कि सरकारी बयानों में किसी चीज की कभी कोई कमी नहीं होती। होती है क्या?

पानी से जुड़ा लैंगिक समानता का मुद्दा

विश्व जल दिवस 2026 का संदेश अत्यंत स्पष्ट और दूरगामी है। पानी और समानता को अलग–अलग नहीं देखा जा सकता। जहां पानी सुरक्षित, सुलभ और समान रूप से उपलब्ध होगा, वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय मजबूत होंगे। जल दिवस यह दिलाता है कि जल संकट का समाधान तभी टिकाऊ होगा, जब उसमें महिलाओं और पुरुषों दोनों की समान भागीदारी होगी। जहां पानी बहता है, वहीं एक...

पानी और समानता को अलग–अलग नहीं देखा जा सकता। जहां पानी सुरक्षित, सुलभ और समान रूप से उपलब्ध होगा, वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय मजबूत होंगे। जल दिवस याद दिलाता है कि जल संकट का समाधान तभी टिकाऊ होगा, जब उसमें महिलाओं और पुरुषों दोनों की समान भागीदारी होगी।

पानी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं है, बल्कि मानव सभ्यता की रीढ़ भी है। खेती, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जीवन, सब कुछ पानी पर निर्भर है। इसके बावजूद आज दुनिया गंभीर जल संकट का सामना कर रही है। यह संकट केवल पानी की कमी का नहीं, बल्कि उसके असमान वितरण, प्रबंधन की विफलता और सामाजिक असंतुलन का भी है। इसी बारे में चेतना जगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाता है। विश्व जल दिवस की शुरुआत 1993 में हुई थी, जब महसूस किया गया कि पानी से जुड़ी समस्याओं को केवल तकनीकी या स्थानीय मुद्दा मानकर नहीं सुलझाया जा सकता। यह एक वैश्विक चुनौती है, जिसका समाधान सामूहिक जिम्मेदारी से संभव है। हर वर्ष एक विशेष विषय चुनकर पानी के किसी एक पहलू पर फोकस किया जाता है, ताकि नीति निर्धारकों व नागरिकों को स्पष्ट दिशा मिल सके। वर्ष 2026 के लिए विश्व जल दिवस की थीम है पानी और लैंगिक समानता। इसका संदेश है जहां पानी बहता है, वहां समानता बढ़ती है। जल संकट का प्रभाव सभी पर समान नहीं पड़ता। समाज के कुछ वर्ग खासकर महिलाएं व लड़कियां, आंकड़े बताते हैं कि पेयजल की सुविधाओं की कमी का सबसे अधिक बोझ महिलाओं पर पड़ता है। विश्व जल दिवस 2026 की थीम जोर देती है कि पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए महिलाओं को जल प्रबंधन, योजना निर्माण और निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना जरूरी है। अनुभव बताता है कि जहां स्थानीय जल समितियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी, वहां जल स्रोतों का रखरखाव बेहतर हुआ और जल उपयोग अधिक जिम्मेदारी से किया गया।

भारत जैसे देश में यह विषय और अधिक प्रासंगिक है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, वहीं यहां क्षेत्रीय जल असमानता बहुत गहरी है। कहीं बाढ़ की समस्या, तो कहीं सूखा। दोनों ही स्थितियों में महिलाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने भारत में हर घर नल से जल पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे कई क्षेत्रों में महिलाओं का समय बचा है, जिसे वे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में लगा पा रही हैं। इससे स्पष्ट है कि जब पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होती है, तो समानता की दिशा में भी ठोस प्रगति होती है।

पानी को यदि केवल संसाधन मानकर देखा जाएगा, तो समाधान भी सीमित रहेंगे। लेकिन जब पानी को मानव अधिकार और सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण से देखा जाता है, तब नीतियां अधिक समावेशी बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र ने सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता को मानव अधिकार के रूप में मान्यता दी है। यानी समाज में पानी की उपलब्धता केवल सुविधा नहीं, बल्कि अधिकार है, और इस अधिकार से किसी भी वर्ग को वंचित नहीं किया जा सकता।

लैंगिक समानता के बारे में जरूरी है कि जल क्षेत्र में महिलाओं को नेतृत्व के मौके मिलें। इंजीनियरिंग, योजना निर्माण, प्रशासन और निगरानी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से जल प्रबंधन अधिक संवेदनशील व व्यावहारिक बनेगा। महिलाएं जल संकट को केवल आंकड़ों के रूप में नहीं, बल्कि रोजमर्रा जीवन के अनुभव के रूप में समझती हैं। यही अनुभव नीतियों को जमीन से जोड़ता है। विश्व जल दिवस 2026 सोचने पर मजबूर करता है कि जल संकट का हल केवल पाइपलाइन, टंकी या परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए सामाजिक सोच में बदलाव जरूरी है। जब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा कि पानी की कमी असमानता पैदा करती है, तब तक समाधान अधूरा रहेगा। समानता का अर्थ सिर्फ अधिकार देना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और निर्णय में भागीदारी भी है। पानी का विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की रक्षा और समाज में जागरूकता फैलाना, ये सभी कदम समानता में योगदान देते हैं।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने 2018 के फैसले में 2011 के फैसले की संरचनात्मक खामियों को उजागर किया। 2018 में कश्नमन कश्नज मामले में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से माना कि अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार में गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी शामिल है और असाध य कोमा में पड़े रोगी के परिवार के सदस्य जीवन रक्षक उपचार बंद करने के लिए अदालत ...

इच्छामृत्यु की अनुमति के बावजूद बाकी सवाल

इच्छामृत्यु के विरोध में जो तर्क है, उसके अनुसार जीवन ईश्वर का दिया हुआ है, उसमें मानवीय हस्तक्षेप गलत है। इच्छामृत्यु के अधिकार का दुरुपयोग होने का खतरा भी है। डॉक्टर 'किलर' बन जाएंगे। कोमा में पड़े लोगों को व्यर्थ समझ लिया जाएगा।

गाजियाबाद के 32 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर परोक्ष इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) के लिए एम्स दिल्ली के पैलिएटिव केयर विभाग में शिफ्ट कर दिया गया है। इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को पूरा होने में कई सप्ताह लग सकते हैं, क्योंकि इसमें कई चरण शामिल हैं। हालांकि, इस प्रक्रिया की व्यावहारिकता से जुड़े कई सवाल अभी हैं, पर अब बहस एक्टिव इच्छामृत्यु यानी दवा देकर या किसी दूसरे तरीके से मृत्यु देने पर भी होगी। सबसे बड़ी जरूरत इस बात की है कि संसद इस विषय पर कानून बनाए। 2018 और 2026 के फैसलों के बावजूद संसद ने अभी तक समग्र कानून नहीं बनाया। कोर्ट ने कई बार विधायिका से कानून बनाने की अपील की है।

पैलिएटिव केयर में ऐसी चिकित्सा देखभाल होती है, जिसका उद्देश्य गंभीर या असाध्य बीमारी से पीड़ित मरीज को आराम देना और बीमारी को पूरी तरह ठीक करने के बजाय मरीज के दर्द, सांस लेने में तकलीफ, घबराहट, बेचैनी या अन्य शारीरिक–मानसिक परेशानियों को कम करने पर ध यान दिया जाता है। सक्रिय इच्छामृत्यु मृत्यु का एक नया कारण उत्पन्न करती हैय निष्क्रिय इच्छामृत्यु पहले से ही चल रही प्राकृतिक मृत्यु में बाधा को दूर करती है। एक मृत्यु का कारण बनती हैय दूसरी मृत्यु को स्वाभाविक रूप से होने देती है। एक्टिव इच्छामृत्यु यानी दवा या किसी दूसरे तरीके से मौत देना पूरी तरह अवैध है।

प्रश्न है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत 'जीने के अधिकार' में 'गरिमापूर्ण मरने का अधिकार' शामिल है या नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने हां कहा है, लेकिन सीमित परिस्थितियों में। हरीश राणा केस के फैसले के बाद भी, यह बहस अभी अपूर्ण है। इच्छामृत्यु के विरोध में जो तर्क है, उसके अनुसार जीवन ईश्वर का दिया हुआ है, उसमें मानवीय हस्तक्षेप गलत है। इच्छामृत्यु के अधिकार का दुरुपयोग होने का खतरा भी है। डॉक्टर 'किलर' बन जाएंगे। कोमा में पड़े लोगों को व्यर्थ समझ लिया जाएगा। कैथलिक चर्च, कई हिंदू संगठन और इस्लामी विद्वान इसे जीवन के खिलाफ मानते हैं। यदि इसे लागू भी किया जाए, तो देश में अच्छी पैलिएटिव केयर बहुत कम है, इसलिए कई लोग इच्छामृत्यु को 'आखिरी विकल्प' मानते हैं। इस समय बहस का केंद्र बिंदु यही है कि पैसिव इच्छामृत्यु को और सुगम बनाया जाए या नहीं, जबकि एक्टिव इच्छामृत्यु को वैध करने की मांग अभी बहुत कमजोर है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि केवल असंभव रिकवरी वाले केस में, सख्त मेडिकल बोर्ड और न्यायिक देखरेख के साथ ही इसकी अनुमति देने पर विचार संभव है। बहुत से विशेषज्ञ मानते हैं कि असली समाधान बेहतर पैलिएटिव केयर की व्यवस्था को मजबूत करने में है, न कि जल्दबाजी में एक्टिव इच्छामृत्यु को वैध करने में। वर्ष 2013 में चंडीगढ़ में एक हादसे में चौथी मंजिल से गिरने के बाद से हरीश अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े हुए हैं, और लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर निर्भर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गत 11 मार्च को उनके मामले में, पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमति देकर भारत में पहली बार इस अधिकार के व्यावहारिक इस्तेमाल की अनुमति दी है। अदालत ने 2018 में इसे संवैधानिक अधिकार मान लिया था। हरीश राणा के माता–पिता की याचिका को, पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने और फिर उच्चतम न्यायालय ने खारिज कर दिया था। 2025 में उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले पर पुनर्विचार किया और यह निर्णय सुनाया। यह मामला 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्थापित और 2023 में सरलीकृत कानूनी ढांचे और इन दिशानिर्देशों को लागू करने में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को उजागर करता है। विशेषज्ञ सक्रिय और निष्क्रिय इच्छामृत्यु के बीच अंतर पर और भारत में मजबूत देखभाल अवसंरचना की आवश्यकता पर भी चर्चा करते हैं। जटिल समस्या यह नहीं है कि कानून किस बात की अनुमति देता है, बल्कि यह है कि रोगी, जब स्वयं बोलने में असमर्थ हो, तो कौन और किस आधार पर निर्णय कर सकता है। स्वस्थ दिमाग वाला वयस्क किसी भी चिकित्सा उपचार को अस्वीकार कर सकता है, और चिकित्सक को उस अस्वीकृति का सम्मान करना होता है। ज्यादा मुश्किल मामला अनैच्छिक मृत्यु का है। ऐसा रोगी जो स्थायी रूप से कोमा में है, जिसका अस्तित्व पूरी तरह से चिकित्सा तकनीक पर निर्भर है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की दो–न्यायाधीशों की पीठ के इस फैसले को पूरी तरह से समझने के लिए, 2011 में अरुणा शानबाग के मामले से लेकर 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ मामले में संवैधानिक फैसले तक की कड़ी को जोड़ना आवश्यक है। अरुणा रामचंद्र शानबाग मुंबई के किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल में नर्स थीं, जिनका 27 नवंबर, 1973 की रात को एक वार्ड अटेंडेंट ने गला घोंट दिया था। गला घुटने से उनके मस्तिष्क में ऑक्सीजन की आपूर्ति रुक गई थी। लगभग 42 वर्षों तक वे उसी अस्पताल में अचेत अवस्था में रहीं और 2015 में उनकी स्वाभाविक मृत्यु हो गई। 2011 में, सर्वोच्च न्यायालय में उनकी जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने के लिए याचिका दायर की गई थी। दो न्यायाधीशों की पीठ ने अपने फैसले में याचिका खारिज कर दी, लेकिन भारतीय कानून में पहली बार परोक्ष इच्छामृत्यु के लिए दिशानिर्देश निर्धारित किए। अदालत ने दयामृत्यु को अस्वीकार करने के पीछे सबसे बड़ा कारण यह बताया कि मुंबई के केईएम अस्पताल की नर्सेंऔर अन्य कर्मचारी अरुणा को मरने देना नहीं चाहते।

अब्दुल बासित की अजीब दलील, अमेरिका हमला करेगा तो पाकिस्तान दिल्ली–मुंबई पर दागेगा मिसाइल

भारत में पाकिस्तान के पूर्व हाई कमिश्नर अब्दुल बासित के एक बयान ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। एक चर्चा के दौरान उन्होंने बेहद चौंकाने वाला सुझाव दिया कि यदि पाकिस्तान पर कोई बाहरी हमला होता है, तो उसे भारत के मुंबई और नई दिल्ली जैसे शहरों को निशाना बनाना चाहिए।

बासित ने एक काल्पनिक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा, श्अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है, तो हमें बिना एक पल गंवाए भारत पर हमला करना होगा। हम इसे छोड़ेंगे नहींय उसके बाद जो भी अंजाम होगा, देखा जाएगा।श हालांकि उन्होंने इस स्थिति को नामुमकिन बताया, लेकिन भारत के प्रमुख शहरों का सीधा नाम लेने की

वजह से उनके बयान की कड़ी आलोचना हो रही है।

पूर्व राजनयिक के बयान से बढ़ा तनाव

अब्दुल बासित 2014 से 2017 तक नई दिल्ली में पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक रह चुके हैं। उनके इस पुराने पद की वजह से उनके बयान को काफी गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने अपनी दलील में कहा कि अगर कोई पाकिस्तान की तरफ बुरी नजर से देखता है, तो उनके पास भारत पर हमला करने के अलावा कोई चारा नहीं बचेगा।

उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब दक्षिण एशिया में पहले से ही काफी तनाव है। हालांकि बासित ने यह भी जोड़ा कि न तो पाकिस्तान ऐसा चाहता है और न ही भारत, लेकिन उनकी इस तरह की बयानबाजी ने क्षेत्रीय सुरक्षा और पूर्व अधिकारियों की भाषा की मर्यादा पर एक नई बहस छेड़ दी है।

पाकिस्तान–अफगानिस्तान टकरावः बासित की ये टिप्पणियां उस वक्त आई हैं जब पाकिस्तान के संबंध अपने पड़ोसियों, खासकर अफगानिस्तान के साथ बेहद खराब चल रहे हैं। अफगानिस्तान के अधिकारियों ने पाकिस्तानी सेना पर काबुल, कंधार और पक्तिका जैसे इलाकों में हवाई हमले करने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद का दावा है कि इन हमलों में आम नागरिकों और पुनर्वास केंद्रों को निशाना बनाया गया है, जिससे भारी जान–माल का नुकसान हुआ है। हालांकि भारत सरकार की ओर से बासित के बयान पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में इसे लेकर तीखी चर्चा जारी है।

पेट्रोल कीमत में मिलेगी बड़ी राहत? एआईडीए ने नितिन गडकरी को दिया 20 प्रतिशत से ज्यादा एथनॉल उद्योग का प्रस्ताव

पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) ने पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल के मिश्रण की आपूर्ति की पेशकश की है। संघ का मानना है कि इससे भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे एक पत्र में एआईडीए की उप–महानिदेशक भारती बालाजी ने कहा कि एथनॉल उद्योग देश द्वारा पहले ही हासिल किए जा चुके ई20 के लक्ष्य से आगे जाने के लिए तैयार है।

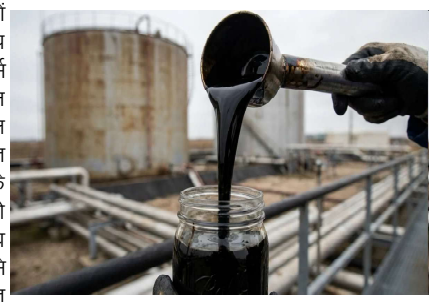

उन्होंने पत्र में कहा, "अब जबकि पश्चिम एशिया युद्ध में उलझा हुआ है और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, तो हम एक एथनॉल उद्योग के तौर पर 20 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। इससे उसी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कम होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम से आपूर्ति में रुकावट और देश पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव को कम किया जा सकेगा। भारत ने अपना ई20 एथनॉल मिश्रण लक्ष्य (पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाना) 2025 में तय समय से पहले हासिल कर लिया है। यह लक्ष्यप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ईंधन आयात बिल कम करने और उत्सर्जन में कमी लाने के लिए तय किया था। एसोसिएशन ने मांग की है कि सरकार एथनॉल मिश्रण की जरूरत को धीरे–धीरे 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाए। इसके अलावा एआईडीए ने ब्राजील की तरह 100 प्रतिशत एथनॉल से चलने वाली फ्लेक्स–ईंधन गाड़ियां लाने, घरेलू और वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए एथनॉल आधारित कुकिंग स्टोव को बढ़ावा देने और खर्च कम करने के लिए डीजल में एथनॉल मिलाने का रास्ता खोजने की मांग की है।

ईरान की मिसाइल रेंज में आए यूरोप के बड़े शहर, इजरायल ने 4000 किमी मारक क्षमता का किया खुलासा

इजरायल रक्षा बलों ने शनिवार को एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा है कि ईरान के पास अब ऐसी मिसाइलें हैं जो 4,000 किलोमीटर की दूरी तक मार कर सकती हैं। प्क्थ् के मुताबिक, जून 2025 में श्ऑपरेशन राइजिंग लायनश के दौरान यह पाया गया कि ईरानी मिसाइलों के रडार में अब लंदन, पेरिस और बर्लिन जैसे बड़े यूरोपीय शहर भी आ गए हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए इजरायल ने कहा कि ईरानी शासन ने पहली बार इतनी लंबी दूरी की मिसाइल दागी है, जो न केवल एशिया और अफ्रीका बल्कि पूरे यूरोप के दर्जनों देशों के लिए एक गंभीर वैश्विक खतरा बन गई है।

ईरान का पलटवार

दूसरी ओर, ईरान ने इजरायल के इन दावों का खंडन किया है, लेकिन साथ ही कड़ी चेतावनी भी दी है। हैदराबाद स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा कि अगर इजरायल अपने सबसे सुरक्षित माने जाने वाले श्डिमोनाश क्षेत्र में मिसाइलों को रोकने में नाकाम रहता है, तो यह माना जाएगा कि इजरायली आसमान अब पूरी तरह असुरक्षित है।

ईरान ने इसे युद्ध के एक नए और खतरनाक चरण का संकेत बताया है। इसी के साथ ईरानी पक्ष ने अपनी अगली योजनाओं को लागू करने की बात कहते हुए नवरोज की शुभकामनाएं भी दीं, जो आने वाले समय में संघर्ष के और बढ़ने की ओर इशारा करता है।

नेतन्याहू का संकल्प

इजरायल में हुए हालिया हमलों के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि आज की शाम इजरायल के भविष्य की लड़ाई के लिए बहुत कठिन रही। उन्होंने अराद शहर के मेयर से बात कर घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की और सभी सरकारी मंत्रालयों को तत्काल सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए।

नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि इजरायल पीछे हटने वाला नहीं है और वे सभी मोर्चों पर अपने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं। उन्होंने नागरिकों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है और आपातकालीन सेवाओं को अपना पूरा समर्थन दिया है।

हाईवे बना स्टंट का मंच, रील के चक्कर में 12 हजार का झटका

सीतापुर। नेशनल हाईवे–30 पर रील बनाने के जुनून में कुछ युवकों की स्टंटबाजी भारी पड़ गई। चलती कार की खिड़कियों पर बैठकर खतरनाक करतब दिखाते हुए वीडियो बनाना उन्हें महंगा पड़ गया और यातायात पुलिस ने 12 हजार रुपये का चालान ठोक दिया। बताया जा रहा है कि सीतापुर–शाहजहांपुर हाईवे पर तेज रफ्तार कार में युवक खिड़कियों से बाहर निकलकर स्टंट कर रहे थे। इस दौरान न केवल उनकी जान खतरे में थी, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की सुरक्षा भी दांव पर लगी हुई थी। पीछे चल रहे किसी वाहन सवार ने इस खतरनाक नजारे को कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आते ही पुलिस हरकत में आई और जांच के बाद वाहन की पहचान कर उसके मालिक तक पहुंच बनाई गई।इस मामले में फरीद अहमद ने साफ कहा कि सड़क पर स्टंटबाजी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे लापरवाह लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही लोगों से अपील की कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें और अपनी व दूसरों की जान जोखिम में न डालें।

जहां बसते हैं 7500 भारतीय, इजरायल के उस डिमोना शहर पर इरान का मिसाइल हमला, हर तरफ तबाही

इजरायल के नेगेव रेगिस्तान में बसा डिमोना शहर, जिसे छोटा भारत भी कहा जाता है, शनिवार को भीषण मिसाइल हमलों का शिकार हुआ। इन हमलों में 33 लोग घायल हो गए हैं और शहर का एक बड़ा हिस्सा मलबे के ढेर में बदल गया है। घायलों में एक 10 साल का बच्चा और एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ईरान ने स्पष्ट किया है कि यह हमला उसके नतान्ज परमाणु केंद्र पर हुए हमले का बदला है। इजरायली सेना ने स्वीकार किया है कि वे इन मिसाइलों को रोकने में नाकाम रहे, जिससे दक्षिण इजरायल के इस महत्वपूर्ण शहर में काफी तबाही हुई है।

भारतीय संस्कृति और परमाणु शक्ति का संगम है डिमोनाः डिमोना शहर भारत और

इजरायल के गहरे रिश्तों की एक जीती–जागती मिसाल है। यहां करीब 7,500 भारतीय–यहूदी रहते हैं, जो शहर की आबादी का 30 प्रतिशत हिस्सा हैं। यहां की गलियों में मराठी और हिंदी की गूंज सुनाई देती है और दुकानों पर जलेबी, सोनपापड़ी और चाट जैसे भारतीय पकवानों की महक फैली रहती है।

यहां रहने वाले लोग मुख्य रूप से महाराष्ट्र (बेने इजरायली), केरल (कोचिनी) और कोलकाता (बगदादी) से आए हैं। यह समुदाय न केवल दिवाली और ओणम जैसे त्योहार साथ मनाता है, बल्कि भारतीय फिल्मों और संगीत के प्रति भी यहाँ जबरदस्त दीवानगी देखी जाती है।

परमाणु केंद्रः सांस्कृतिक पहचान के अलावा डिमोना अपने श्शिमोन पेरेज नेगेव न्यूक्लियर सेंटरश के लिए भी जाना जाता है, जो शहर से महज 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इजरायल इसे एक शोध केंद्र बताता है, लेकिन कई अंतरराष्ट्रीय खुफिया रिपोर्टों का दावा है कि यहां परमाणु हथियारों के लिए प्लूटोनियम तैयार किया जाता है।

ईरान के संसद स्पीकर ने चेतावनी दी है कि डिमोना जैसे सुरक्षित इलाके में इजरायल की विफलता यह संकेत देती है कि युद्ध अब एक नए और खतरनाक दौर में प्रवेश कर चुका है। फिलहाल बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं और पूरे इलाके में तनाव चरम पर है।

Hormuz Strait पर ईरान नरम पड़ा, USA-Israel को छोड़ दुनिया के लिए खोला रास्ता

ईरान ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते होर्मुज जलडमरूमध्यश को लेकर अपने रुख में थोड़ी नरमी दिखाई है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के प्रतिनिधि अली मौसवी ने कहा है कि यह जलमार्ग उन सभी जहाजों के लिए खुला रहेगा जिनका संबंध ईरान के दुश्मनों (अमेरिका और इजरायल) से नहीं है।

यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी के कुछ ही घंटों बाद आया है, जिसमें उन्होंने 48 घंटे के भीतर रास्ता न खुलने पर ईरान के पावर प्लांट्स को तबाह करने की चेतावनी दी थी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि अन्य देशों के जहाज तेहरान के साथ सुरक्षा तालमेल बिठाकर यहाँ से गुजर सकते हैं।

कूटनीति को प्राथमिकता, पर हमलों का भी दिया हवाला

ईरानी प्रतिनिधि ने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन के साथ सहयोग

करने की इच्छा जताई है ताकि खाड़ी क्षेत्र में नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हालांकि, उन्होंने यह भी तर्क दिया कि इस तनाव की असली वजह इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले हैं।

मौसवी के अनुसार, ईरान अभी भी कूटनीति को प्राथमिकता दे रहा है, लेकिन शांति के लिए बाहरी आक्रामकता का रुकना और आपसी भरोसा कायम होना बेहद जरूरी है। बता दें कि 28 फरवरी से ईरान ने इस रास्ते को बंद कर रखा था, जिससे दुनिया भर में ऊर्जा संकट का खतरा पैदा हो गया है।

वैश्विक तेल सप्लाई पर मंडराता खतरा

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की कुल तेल और गैस सप्लाई के लगभग पांचवें हिस्से का मुख्य जरिया है। ईरान ने पहले संकल्प लिया था कि वह अमेरिका और इजरायल तक एक लीटर तेल भी नहीं पहुंचने देगा। इस तनाव के बीच अमेरिका ने जहाजों को सुरक्षा देने के लिए एक नौसैनिक गठबंधन बनाने की कोशिश की थी, लेकिन अधिकांश नाटो सहयोगियों ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। सहयोगी देशों का कहना है कि वे ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य टकराव का हिस्सा नहीं बनना चाहते। फिलहाल, ईरान के इस नए बयान से उन देशों को थोड़ी राहत मिल सकती है जो इस रास्ते पर निर्भर हैं।

शिकारपुर कोटही माता मंदिर में शतचंडी महायज्ञ की धूम, रामलीला मंचन में झूम उठे दर्शक

महराजगंज। शिकारपुर कोटही माता मंदिर परिसर में आयोजित शतचंडी महायज्ञ के तीसरे दिन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। यज्ञ स्थल पर जहां एक ओर वैदिक मंत्रोच्चार से वातावरण गूंजता रहा, वहीं दूसरी ओर रामलीला मंचन ने दर्शकों को भाव–विभोर कर दिया। तीसरे दिन रामलीला मण्डली द्वारा महर्षि विश्वामित्र के यज्ञ की रक्षा का जीवंत मंचन प्रस्तुत किया गया, जिसे देखकर उपस्थित श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे। कलाकारों की सशक्त प्रस्तुति और संवाद अदायगी ने पूरे पंडाल में तालियों की गूंज भर दी। दर्शक देर रात तक रामलीला का आनंद लेते रहे। इस अवसर पर यज्ञ आचार्य पंडित बलराम पांडेय ने शतचंडी महायज्ञ का धार्मिक महत्व बताते हुए कहा कि नवरात्रि में इस महायज्ञ के आयोजन से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने बताया कि मां भगवती की कृपा से क्षेत्र में सुख–शांति और समृद्धि का संचार होता है। यज्ञ स्थल पर दूर–दराज से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए भंडारे और अन्य व्यवस्थाएं भी सुचारू रूप से की जा रही हैं, जिससे भक्तों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। शिकारपुर कोटही में चल रहा यह शतचंडी महायज्ञ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना हुआ है, बल्कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का भी कार्य कर रहा है।

जाति जनगणना सामाजिक– आर्थिक बदलाव की कुंजी–सांसद राकेश राठौर

सीतापुर। मनरेगा बचाओ यात्रा का समापन आज रामकुंड ग्राम सभा में आयोजित कार्यक्रम के साथ हुआ। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि राकेश राठौर ने कहा कि जाति जनगणना देश के सामाजिक और आर्थिक बदलाव की कुंजी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार मनरेगा को खत्म करने की साजिश कर रही है, जबकि यह योजना ग्रामीण गरीबों की जिंदगी बदलने के लिए बनाई गई थी। सांसद ने कहा कि क्षेत्रीय विधायक और अन्य दलों के नेता मनरेगा जैसे अहम मुद्दे पर चुप हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दलितों और मुसलमानों पर हमले बढ़े हैं और सरकार के संरक्षण में दबंग सक्रिय हैं, ऐसे में सरकार को बदलना जरूरी है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस के उपाध्यक्ष शिवप्रकाश सिंह ने कहा कि मजदूरों और किसानों की स्थिति सुधारने के लिए मनरेगा को बचाना जरूरी है। वहीं कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डॉ आर पी बर्मा ने बताया कि सात दिवसीय यात्रा के दौरान 43 ग्राम सभाओं में बैठकें हुईं और 3216 परिवारों का पंजीकरण कराया गया। सभा को संबोधित करते हुए रोशनी गुप्त ने कहा कि भाजपा मनरेगा को समाप्त करना चाहती है, लेकिन कांग्रेस इसे बचाने के लिए निर्णायक संघर्ष करेगी। वहीं मजरूल ने आरोप लगाया कि भाजपा जनपक्षधर कानूनों को खत्म कर रही है और जनविरोधी कानून थोप रही है। सुनीला रावत ने मनरेगा मजदूरों से संघर्ष के लिए तैयार रहने की अपील की। समापन संबोधन में डॉ बृजबिहारी ने क्षेत्रीय नेतृत्व पर जनसमस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा और सपा दोनों भय और दोहन की राजनीति कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान आगामी 28 मार्च को बिसवां के बहेरवा में "संविधान बचाओ संवाद सम्मेलन आयोजित करने की भी घोषणा की गई।

मातृ–शिशु स्वास्थ्य व एचपीवी वैक्सीन को लेकर जागरूकता रैली

सीतापुर। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के साथ–साथ एचपीवी वैक्सीन के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आज आई एम ए सीतापुर एवं सहयोगी संगठनों द्वारा साइकिल रैली और पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस अभियान में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, रोटरी क्लब, इनर व्हील क्लब, साइक्लिस्ट क्लब, यूपीएमएसआरए सीतापुर एवं वूमेन्स वेलफेयर क्लब ने सहभागिता की। रैली का शुभारंभ नेहा अवस्थी ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली अवध क्लब से प्रारंभ होकर सीतापुर आंख अस्पताल होते हुए पुनः अवध क्लब पर समाप्त हुई। रैली में 100 से अधिक महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली मार्ग पर यातायात को सुचारू बनाए रखने में महिला थाना प्रभारी एवं उनकी टीम का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डा तरुण सैगल रहे। इस अवसर पर डा राजकुमार श्रीवास्तव, डा शैफाली गोयल, गोविन्द चन्दानी, उर्वषी अग्रवाल, संजीव मेहरोत्रा, राहुल सिंह, रति सहगल, स्वाती सहगल, नीरज शुक्ला एवं डा विनोद कुमार त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं में गर्भाशय के कैंसर की रोकथाम हेतु एचपीवी वैक्सीन के महत्व को लेकर जागरूकता का संदेश दिया गया।

हम शव को हर हाल में घर लाएंगे विधायक आशा मौर्य ने दी ढांढस,

सीतापुर। महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के बघाइन गांव में रविवार की शाम सन्नाटे और सिसकियों के बीच उस बेटे की याद गूंजती रही, जो रोजी–रोटी के लिए परदेस गया था, लेकिन अब कभी लौटकर नहीं आएगा। 26 वर्षीय रवि गोपाल की सऊदी अरब में मिसाइल हमले में मौत की खबर ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया है। दुख की इस घड़ी में क्षेत्रीय विधायक आशा मौर्य खुद पीड़ित परिवार के घर पहुंचीं। उन्होंने परिजनों को गले लगाकर सांत्वना दी और भरोसा दिलाया कि "रवि का शव हर हाल में भारत लाया जाएगा।" मौके पर ही उन्होंने राजनाथ सिंह से फोन पर बात कर पूरे मामले से अवगत कराया और शव को जल्द स्वदेश लाने की मांग रखी। विधायक के इस आश्वासन से परिवार की आंखों में थोड़ी उम्मीद जरूर जगी, लेकिन दर्द कम नहीं हुआ। रवि की पत्नी, छोटा बेटा और बुजुर्ग मां बेसुध हैं। हर किसी की जुबान पर एक ही सवाल हैकृ"अब हमारा सहारा कौन बनेगा?" बताया जाता है कि रवि पिछले साल सितंबर में सऊदी अरब गए थे, जहां वह एक प्लास्टिक कंपनी में ड्राइवर का काम कर रहे थे। 18 मार्च की रात करीब 9:54 बजे उनकी आखिरी बार परिवार से बात हुई थी। इसके बाद उनके साथी ने फोन कर मिसाइल हमले में मौत की खबर दी। प्रशासन भी हरकत में आया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर नायब तहसीलदार राकेश त्रिवेदी ने गांव पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और हर संभव मदद का भरोसा दिया। हालांकि अभी भारतीय दूतावास की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। गांव की गलियों में पसरा सन्नाटा और परिजनों की चीखें इस बात की गवाही दे रही हैं कि एक परिवार ने अपना सब कुछ खो दिया है,अब सबकी नजरें उस दिन पर टिकी हैं, जब रवि आखिरी बार अपने घर लौटेंगे।

बहराइच में दर्दनाक सड़क हादसा, बाइक सवार युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जनपद में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक

सवार युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक ईद के मौके पर अपनी ससुराल जा रहा था, तभी रास्ते में हादसा हो गया।जानकारी के अनुसार, कोतवाली देहात क्षेत्र के गोकुलपुर गांव निवासी 30 वर्षीय अकरम बाइक से हुजूरपुर थाना क्षेत्र के मथुरा गांव जा रहा था। इसी दौरान रानीपुर थाना क्षेत्र के कुट्टी बाजार के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जोरदार थी कि अकरम गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

पयागपुर में ईद-उल-फितर शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न, लोगों ने दी एक-दूसरे को मुबारकबाद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर (बहराइच)। थाना पयागपुर क्षेत्र में आज

ईद–उल–फितर के अवसर पर पूरे हर्षोल्लास और धार्मिक आस्था के साथ नमाज अदा की गई। क्षेत्र के विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ उमड़ी, जहां लोगों ने अल्लाह की इबादत कर अमन–चैन और खुशहाली की दुआ मांगी।नमाज अदा करने के बाद ईदगाहों में लोगों ने एक–दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। इस बार एक खास बात यह रही कि रमजान के महीने में दो बार अलविदा की नमाज अदा की गई, जिसे दुर्लभ संयोग माना जा रहा है।ईद के पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। मस्जिदों और ईदगाहों के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ।मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पूरे उत्साह और सौहार्द के साथ ईद का त्योहार मनाया, जिससे क्षेत्र में आपसी भाईचारा और एकता की मिसाल देखने को मिली।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, शादी से पहले पसरा मातम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। बहराइच जनपद में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक द्वारा विषैला पदार्थ खाने से उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 21 वर्षीय पिंटू, जो थाना दरगाह क्षेत्र के सुसरौली गांव का निवासी था, ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ सेवन कर लिया।घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने युवक को आनन–फानन में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी हालत बिगड़ती चली गई और आखिरकार उसने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।सबसे मार्मिक बात यह है कि मृतक पिंटू की शादी आगामी 24 मार्च को तय थी। शादी की तैयारियों के बीच अचानक हुई इस घटना ने पूरे परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया।फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि युवक ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में 1453 मरीजों को मिला उपचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर।जनपद के सभी 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में कुल 1453 मरीजों

को उपचार मिला। लाभार्थियों में 673 पुरुष, 609 महिलाएं और 171 बच्चे शामिल रहे।मेलों में सामान्य स्वास्थ्य जांच, बीपी–शुगर, टीबी, कुष्ठ, नेत्र व दंत रोगों की जांच, गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, टीकाकरण तथा निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। साथ ही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी गई।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिपरा एकडंगा में आयोजित मेलों का निरीक्षण किया।

गोण्डा जनपद में विश्व हिन्दू परिषद अवध प्रांत विभाग द्वारा विभाग बैठक हुआ सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में विश्व हिंदू परिषद केंद्रीय मंत्री देव भाई रावत का आगमन जनपद में हुआ।जिनके आने पर शहर क्षेत्र में चौराहों पर कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।उनके साथ प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप भी रहे।कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने अनुशासन में रहकर हिन्दू समाज से जुड़े मुद्दों को उठाना एवं उनके समाधान पर विचार करने का निर्देश दिया।उसके उपरांत केंद्रीय मंत्री ने सभी के साथ मिलकर समरसता भोज किया तत्पश्चात केंद्रीय मंत्री खरगपुर में आयोजित श्रीराम उत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।उसके बाद पृथ्वी नाथ मंदिर में पूजा–अर्चना कर देश की सुख शांति के लिए कामना किया।बैठक का संचालन विभाग मंत्री सुबीर ने किया।बैठक

में महेश तिवारी, राजकुमार शुक्ला,गोविंद शाह,भरत गिरी,धर्मेंद्र मिश्रा,चेतराम शास्त्री,ओम प्रकाश सोनी ,आलोक मिश्रा,दीपेंद्र प्रताप, दिवाकर सोमानी, बबलू वर्मा,विजय मिश्रा, पंकज सिंह,रविकांत,रविंद्र गौतम, बीनू सिंह,श्याम मिश्रा, सोनू सोनकर, आनंद वर्मा, राजू मौर्य, विजय वर्मा,पीयूष सक्सेना, सर्वजीत सिंह,देव प्रकाश त्रिपाठी,विपिन शुक्ला,राम शंकर शर्मा,गोलू श्रीवास्तव, कैलाश जयसवाल,विवेक तिवारी एवं संस्कारशाला की बहने एवं प्रखंड के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

परशुराम सेना प्रकोष्ठ की बैठक में संगठन विस्तार पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। रविवार को परशुराम सेना प्रकोष्ठ, बलरामपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन के विस्तार और मजबूती को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बड़ी संख्या में विप्र बंधुओं एवं पदाधिकारियों की सहभागिता रही।कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष जगदम्बा प्रसाद मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष निबरेलाल पाण्डेय, जिला सचिव आज्ञाराम मिश्र, जिला संगठन मंत्री ओम बाबू पाण्डेय, जिला महामंत्री सुरेश कुमार चतुर्वेदी सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा तहसील अध्यक्ष बलरामपुर अजय कुमार तिवारी, तहसील अध्यक्ष तुलसीपुर अनूप

त्रिपाठी, ब्लॉक अध्यक्ष पचपेड़वा सियानंद त्रिपाठी, जिला मीडिया प्रभारी अखिलेश कुमार पाण्डेय, जिला सह मीडिया प्रभारी शिवम् पाठक, ब्लॉक अध्यक्ष बलरामपुर शिव कुमार पाण्डे, ब्लॉक उपाध्यक्ष संतोष कुमार पाण्डेय तथा विधानसभा अध्यक्ष गैसड़ी राजेश कुमार त्रिपाठी सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर विचार–विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने संगठन विस्तार, नई सदस्यता अभियान और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।कार्यक्रम का समापन आपसी सहयोग और संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के संकल्प के साथ हुआ। सभी उपस्थित सदस्यों ने बैठक को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

धूमधाम से मनाया गया गणगौर महोत्सव,महिलाओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के रानी बाजार स्थित श्री राम जानकी मारवाड़ी धर्मशाला में मारवाड़ी युवा मंच देवीपाटन महिला शाखा द्वारा धूमधाम से गणगौर महोत्सव मनाया गया।कार्यक्रम से पूर्व मंच के महिला मंडल द्वारा सांयकाल मंदिर परिसर में गणगौर माताजी को रखा गया।

जिसमें मारवाड़ी समाज की महिलाएं अपने–अपने घर से भी गणगौर माताजी को लेकर मंदिर प्रांगण में एकत्र हुई जहां पर सभी नव विवाहित महिला एवं समाज की महिलाओं ने गणगौर माताजी को प्रसाद का भोग लगाकर पानी पिलाया फिर पूजन पाठ किया और अपने पति की लंबी दीर्घायु होने की कामना की।उसके बाद गणगौर महोत्सव का कार्यक्रम दीप प्रज्वलित कर शुरू हुआ।दीप प्रज्वलन महिला मंडल की प्रांतीय उपाध्यक्ष नीलम जैन, वरिष्ठ मंडल पदाधिकारी सविता गोयल और गुंजन मोदी ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना के नृत्य से हुआ। उसके बाद नृत्य प्रतियोगिता हुई।जिसमें हिना– दीक्षा सिंघल, श्रेया बंसल, वर्तिका – सीमा सोमानी, प्रिया भावसिंहका और अंशिका ने गीत पर नृत्य किया ।उसके बाद ब्राइडल में तन्वी अग्रवाल,हर्षिता नहारिया,साक्षी अग्रवाल,श्रेया बंसल,पंखुड़ी जालान,अनामिका अग्रवाल, पलक अग्रवाल ने गणगौर माता की गानें पर नृत्य किया।कार्यक्रम में महिलाओं के

लिए एक मिनट शो का भी कार्यक्रम हुआ जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और बीच–बीच में सरप्राइज प्रश्नोत्तरी का भी कार्यक्रम हुआ प्रश्नों का सही जवाब देने वाली महिलाओं को महिला मंडल द्वारा पुरस्त कर सम्मानित किया गया।फिर महिला मंडल द्वारा हाउजी गेम खिलाया गया जिसकी संचालन भावना सोमानी और मंच के सदस्यों ने किया।

मंदिर परिसर में साड़ी सूट,कपड़े,गेम्स, चूड़ियां,खान पान में बेकरी,चॉकलेट,चाट, आइसक्रीम आदि कई तरह के स्टाल लगाए गए थे।जिसमें समाज के महिलाओं और बच्चों ने तरह तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाया। स्टाल लगाने वालों में साक्षी अग्रवाल, खुशी छाबड़ा, पूजा शर्मा, मेघा लधवानी,पूजा मध्यानी , राखी अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, पुष्पा सिंघल, हर्षिता अग्रवाल, स्नेहा बंसल ,गुंजन अग्रवाल रही। कार्यक्रम में मंच का संचालन नीलम जैन और नीतू गर्ग ने किया। कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच देवीपाटन महिला मंडल की भावी सचिव वर्षा अग्रवाल,अनीता,पुष्पा सिंघल,सरिता अग्रवाल,सरिता माहेश्वरी,रीता काबरा, प्रेमलता सिंघल, संगीता,सुप्रिया सिंघल,अनीता नहरिया, राधा पचेरिया, पिंकी नहरिया, सिम्पल नहारिया,सुधा अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

घटिया सामग्री से बन रहा पुल, ग्रामीणों का विरोध तेज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जनपद के ब्लॉक रिसिया के थाना मटेरा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महरथा मजरा बाले कटिलिया में बन रहे पुल निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। लगभग 10 लाख रुपये की लागत से तैयार हो रहे इस पुल में भारी अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं।ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य शुरू होते ही उन्होंने विरोध दर्ज कराया था। उस समय ठेकेदार बबलू ने आश्वासन दिया था कि निर्माण में किसी प्रकार की धांधली नहीं होगी, लेकिन काम शुरू होते ही आरोपों के मुताबिक घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जाने लगा।स्थानीय लोगों ने बताया कि पुल निर्माण में पीली ईंटों और निम्न गुणवत्ता के सीमेंट का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे पुल की मजबूती पर सवाल खड़े हो गए हैं। उनका कहना है कि इस तरह का निर्माण भविष्य में किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकता है।ग्रामीणों के अनुसार, बीते तीन महीनों में कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे नाराज ग्रामीणों का विरोध और तेज हो गया है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में लापरवाही और भ्रष्टाचार को नजरअंदाज किया जा रहा है, वहीं जिम्मेदार अधिकारी भी इस मामले में अनजान बने हुए हैं।ग्रामीणों की मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य कराया जाए। साथ ही दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि सार्वजनिक धन का दुरुपयोग न हो और आम लोगों की सुरक्षा बनी रहे।

उद्योग बंधु,व्यापार बंधु तथा श्रम बन्धुओं की समस्याओं का करें समय से समाधान संबंधित अधिकारी–डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद की डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन की

अध्यक्षता में उद्योग बंधु,श्रम बंधु व व्यापार बंधुओं की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। उद्योग बंधु की बैठक में सर्वप्रथम पिछले कार्यवृत्ति की अनुपालन स्थिति जानी गयी। डीएम ने उद्यमियों की समस्याओं से अवगत होते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देश दिए।बैठक में उपायुक्त उद्योग के स्तर से आवेदनकर्ता की पात्रता व सभी संबंधित औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद अधिकारियों को अग्रसारित किया जाय।लंबित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारण हेतु विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया जाय।डीएम ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उद्योग बंधुओं एवं व्यापार बन्धुओं व श्रम बन्धुओं की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान समय से करना सुनिश्चित करें।बैठक में उपायुक्त उद्योग व अन्य विभाग के अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा है कि व्यापार बन्धुओं व उद्योग बन्धुओं के व्यापार में अपेक्षित सहयोग करना सुनिश्चित करें।डीएम ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद गोन्डा,पुलिस क्षेत्राधिकारी तथा पीडब्ल्यूडी विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मनकापुर बस स्टॉप से लेकर बड़गांव पुलिस चौकी बहराइच रोड तक रोड किनारे अतिक्रमणकारियों को खाली करने के लिए नोटिस जारी करें अन्यथा होगी बड़ी कार्यवाही। व्यापारियों ने अपने–अपने सुझाव दिये जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी मिलकर समस्या का समय से समाधान करायें।श्रम बन्धु के पदाधिकारीगण अन्य सभी सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विधायक कविन्द्र चौधरी ने किया विद्यालय भवन का शिलान्यास, शिक्षा के प्रसार का लिया संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रविवार को कप्तानगंज क्षेत्र के लोहरौली तिलकपुर गांव में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई। कप्तानगंज विधायक कविन्द्र चौधरी (अतुल) ने श्रीश्यामलाल वर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का विधिवत पूजन–अर्चन के साथ शिलान्यास किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों और ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक कविन्द्र चौधरी ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की अलख जगाने वाले लोगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि सुदूर गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था होना समय की मांग है और ऐसे प्रयास समाज को नई दिशा देते हैं। विधायक ने आश्वासन दिया कि विद्यालय के निर्माण एवं समुचित विकास के लिए वे हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगे, ताकि क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं मिल सकें।विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक एवं वरिष्ठ होम्योपैथ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि इस क्षेत्र में शिक्षा के विस्तार के लिए लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि श्रीश्यामलाल वर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नए भवन के निर्माण से विद्यालय में शैक्षिक वातावरण और अधिक सु.ढ़ होगा।विद्यालय के निदेशक डा. आलोक रंजन वर्मा ने कहा कि भवन निर्माण का कार्य शीघ्र गति से पूर्ण कराया जाएगा, ताकि आगामी सत्र से विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त कक्षाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ–साथ नैतिक मूल्यों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि डा. राम.ष्ण लाल 'जगमग' ने प्रभावी ढंग से किया। इस अवसर पर राम सुरेश चौधरी, ई. रघुनाथ पटेल, डा. सी.एम. पटेल, चन्द्रशेखर वर्मा, राम प्रसाद चौधरी, ई. चन्द्रशेखर, विजय प्रकाश चौधरी, डा. वीरेन्द्र यादव, आलोक त्रिपाठी, राम पूरन चौधरी, अखिल यादव, घनश्याम यादव, अफजल हुसैन 'अफजल', जगनरायन वर्मा, शिव प्रसाद चौधरी, वीरेन्द्र वर्मा, अमरेश चौधरी, विशाल गुप्ता, शंकर यादव, अर्जुन सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।समारोह के अंत में अतिथियों ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर प्रस्तावित भवन निर्माण की रूपरेखा पर चर्चा की और इस पहल को क्षेत्र के शैक्षिक विकास की दिशा में मील का पत्थर बताया। ग्रामीणों ने विद्यालय की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव बताया।

ग्राम चौपाल के माध्यम से बालिकाओं, महिलाओं एवं ग्रामीणो को किया गया जागरूक

कुशीनगर। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 द्वितीय चरण अभियान के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा तथा सड़क सुरक्षा नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना द्वारा चलाए जा अभियान के अन्तर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन, ग्राम चौपाल के माध्यम से महिलाओं एवं ग्रामीणो से संवाद स्थापित कर जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 द्वितीय चरण अभियान के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरूक किया गया। इस अभियान के अंतर्गत सभी थानों की एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 द्वितीय चरण अभियान के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्म रक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा बलइमतबतपउम. हवअ.पद पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया । कार्यक्रम के दौरान समस्त थानों पर नियुक्त एंटी रोमियो टीम द्वारा महिलाओं, बालिकाओं व स्कूली छात्राओं को पम्पलेट प्रदान कर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महिला बीट अधिकारियों एवं मिशन शक्ति टीमों ने ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल शैली में संवाद सत्र आयोजित कर महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं, आत्मरक्षा के उपायों और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गयी और साथ ही महिलाओं से कहा गया कि वे निडर होकर अपनी बात रखें और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाएं ।

मैं अपराधी था तो राजेश शुक्ला उर्फ बबलू साथ में क्यों करते थे काम – पंकज लसह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के महरीपुर निवासी पंकज सिंह ने कहा है कि उन पर रंगदारी के मनमाने आरोप लगाये जा रहे हैं। कहा कि यदि आरोप गलत हो तो राजेश शुक्ला उर्फ बबलू 20 वर्ष का रायल्टी दिखा दें। यह भी बता दें कि वे अवैध खनन कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं। कहा कि आरोप लगाने से पहले राजेश शुक्ला उर्फ बबलू स्वयं अपने गिरेबान में झांककर देखे। कहा कि जिला प्रशासन पूरे मामले की जांच कराकर जो भी दोषी हो उसके विरूद्ध कार्रवाई करे। कहा कि यदि वे अपराधी थे तो उनके साथ काम क्यों करते थे। यदि वे अपराधी है तो जमीन खरीदते समय उन्हें गवाह क्यों बनाया। अभी तक मित्र थे अब मुझे गुण्डा बता रहे हैं।ज्ञात रहे कि महरीपुर निवासी पंकज सिंह ने पुलिस उपमहानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर आर०के० कंस्ट्रक्शन कम्पनी में लेन देन के विवाद को लेकर धमकी देने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया

है।डीआईजी को दिये पत्र में पंकज सिंह ने कहा है वे गिट्टी, मोरंग व मिट्टी की सप्लाई का कार्य करते हैं, सन् 2023 से राजेश शुक्ला उर्फ बबलू पुत्र राजेंद्र प्रसाद शुक्ला निवासी गोबरहिया थाना पुरानी बस्ती से संबंध है, राजेश शुक्ला आर०के० कंस्ट्रक्शन नामक कम्पनी चलाते हैं। पंकज सिंह ने राजेश शुक्ला की कम्पनी में साझेदारी के तहत रुपए लगाए हैं, उसने अपनी पत्नी के अकाउण्ट से दो लाख रूपये और अपने अकाउण्ट से 25 हजार रुपया आर०के० कांस्ट्रक्शन के अकाउण्ट में 11 जून 2025 को काम शुरू करने के लिए भेजा। वह कम्पनी में 15 प्रतिशत बचत में रहता था, आर०के० कांस्ट्रक्शन के साथ मिलकर जो कार्य किए थे उसमें उसका कुल हिस्सा 8 लाख रूपया है जिसमें से राजेश शुक्ला धीरे–धीरे करके 1,50,000 के करीब में वापस कर दिये, परन्तु शेष 6 लाख 50 हजार रूपया बनता था उसे मांगने पर नहीं दिया। धोखे से 6,50,000– रूपये राजेश शुक्ला ने हड़प लिया। पैसा मांगने पर फर्जी मुकदमे में फसाने की धमकी भी दे रहे हैं और गलत बयान देकर रंगदारी मांगने का आरोप लग रहे हैं और उसे बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। राजेश शुक्ला आपराधिक किस्म के व्यक्ति हैं जो जोर–जबरदस्ती, धोखेधड़ी से 6,50,000– रूपया राजेश ने शुक्ला हड़प लिया। पंकज सिंह ने दोषी के विरूद्ध मुकदमा पंजी. त कराकर धन वापस कराये जाने और परिवार के सुरक्षा की मांग किया है। महरीपुर निवासी पंकज सिंह द्वारा शिकायती पत्र देने के बाद अब राजेश शुक्ला उर्फ बबलू उन्हें गुण्डा और अपराधी बता रहे हैं। उनके सारे आरोप निराधार है।

दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता प्रारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।आजाद स्पोर्टिंग क्लब गुरेठ के तत्वाधान में दो दिवसीय रात्रि कालीन वॉलीबॉल प्रतियोगिता प्रारंभ किया गया। उद्घाटन पूर्व सांसद राम शकल, जिला पंचायत सदस्य नीरज श्रीवास्तव एवं गोपाल सिंह प्राचार्य संत कीनाराम महाविद्यालय द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन मैच गुरेठ एवं मगरदहा की टीमों के बीच खेला गया जिसमें गुरेठ की टीम ने मंगरदहा को सीधे सेटों में 2–0 से हरा कर अगले राउंड में प्रवेश किया। आए हुए अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन पूर्व विधायक तीरथ राज ने किया ।उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से शिवनारायण सिंह, राजेश्वरी सिंह, संतोष कुमार, लाल जी तिवारी, अशोक सन्यासी, रामानंद पांडे, प्रभु नारायण, सफेद लाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लघु एवं सीमांत किसानों के लिए बर्मी कंपोस्ट यूनिट की हुई स्थापना जैविक खेती को मिला बढ़ावा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बिल्ली मारकुंडी ग्राम पंचायत क्षेत्र अंतर्गत कोठा

टोला में रविवार को लघु एवं सीमांत किसानों को प्रा.तिक एवं जैविक खेती के प्रति प्रोत्साहित करने तथा उनकी आय में वृद्धि हो जिसे लेकर ब्रम्ह कुमार गोंड गोंड के सहयोग से विंध्यवासिनी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सौजन्य से बर्मी कंपोस्ट यूनिट की स्थापना की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि .षि विभाग विशेषज्ञ व चोपन ब्लाक के .षि सहायक विकास अधिकारी डा. राम कैलाश सिंह ने फीता काटकर यूनिट का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि ने .षि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा जैविक खेती के महत्व, उसकी तकनीकी बारीकियों एवं दीर्घकालिक लाभों पर प्रकाश डाला। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र प्रसाद व यूनिट प्रभारी राम नरेश ने संयुक्त रूप से किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अधिक से अधिक किसान कंपनी की गतिविधियों से जुड़कर इसका लाभ उठाएं और अपनी आय में वृद्धि सुनिश्चित करें। संचालन छात्रनेता दीपू विजय शर्मा ने किया। इस दौरान रेखा सिंह, संजय कुमार 'अकेला, शिवमंगल, चंदन सिंह, राजबली, छोटेलाल यादव, भगवानदास गोंड, मीना देवी, भगवंती देवी, .ष्ण कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रेक्षक ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान 2026 के क्रम में रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेक्षक सिद्धार्थ जैन, संयुक्त सचिव, सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों व ई0आर0ओ0, ए0ई0आर0ओ0 तथा अतिरिक्त ए0ई0आर0ओ0 के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान प्रेक्षक ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की तथा उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अभियान की प्रगति एवं जमीनी स्तर पर हो रही गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के नेतृत्व में जनपद में संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान 2026 के कार्यों की सराहना की तथा इसे पारदर्शी एवं प्रभावी बताया। बैठक के दौरान माननीय प्रेक्षक महोदय ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अपना ईमेल आईडी एवं मोबाइल नंबर साझा करते हुए कहा कि यदि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की समस्या या शिकायत उत्पन्न होती है, तो वे सीधे ईमेल के माध्यम से अवगत करा सकते हैं। प्रेक्षक ने ई0आर0ओ0, ए0ई0आर0ओ0 को निर्देशित किया कि पुनरीक्षण कार्य पूरी गंभीरता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जाए, जिससे अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए, इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी सतर्कता बरतें। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी बी0एन0 सिंह ने जनपद में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत की जा रही प्रक्रिया के सम्बन्ध में की जा रही गतिविधियों के सम्बन्ध में जानकरी दिये। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी वागीश कुमार शुक्ला, संतोष शुक्ला, जिला महामंत्री भा0ज0पा0, अमन मौर्या, जिला महासचिव, ब0स0पा0, राम निहोर यादव, जिलाध्यक्ष, समाजवादी पार्टी, विनोद कुमार यादव, जिला उपाध्यक्ष, अपना दल(एस), नन्दलाल आर्य, जिला मंत्री, सी0पी0आई0एम, रमेश गौतम, जिलाध्यक्ष, आम आदमी पार्टी, अनिल प्रधान, जिला का0 प्रभारी, समाजवादी पार्टी, बलवन्त रंगीला, जिला कार्यकारणीय सदस्य, ब0स0पा0, डा ओम प्रकाश मौर्या, प्रभारी, सोनभद्र बहुजन समाज पार्टी, नीरज सिंह पटेल, मीडिया सचिव अपना दल(एस) एवं समस्त ई0आर0ओ0, ए0ई0आर0ओ0 तथा अतिरिक्त ए0ई0आर0ओ0 उपस्थित रहें।

सामाजिक पूंजी से बदली गांव की तस्वीर उपक्रम कार्यक्रम का सफल समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

डाला/सोनभद्र।जनपद के जनजातीय क्षेत्रों में उपक्रम एजुकेशनल फाउंडेशन व सोशल कैपिटल इनिशिएटिव्स के संयुक्त तत्वावधान में 'तरुण्य' युवा कार्यक्रम के तहत संचालित सोशल कैपिटल क्रेडिट्स कार्यक्रम का समापन

समारोह रविवार को संपन्न हुआ।इस दौरान प्रतिभागी युवाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम प्रबंधक अंकित मौर्य ने बताया कि अगस्त 2025 से प्रारंभ हुए इस अभियान ने युवाओं के नेतृत्व में गांवों में जागरूकता, शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी की नई मिसाल पेश की। संस्था कि सह संस्थापक चंद्र किरण तिवारी ने बताया कि इस कार्यक्रम में युवाओं ने ग्राम चौपाल, पौधरोपण एवं विभिन्न सामुदायिक बैठकों के माध्यम से एसएमसी, मतदाता जागरूकता और शिक्षा जैसे विषयों पर प्रभावी अभियान चलाया। गांवों में मिनी लाइब्रेरी और यूथ बुलेटिन की स्थापना की गई। लर्निंग सेंटर आज समुदाय के लिए सीखने और संवाद का प्रमुख केंद्र बन चुका है। छः दिवसीय आवासीय कार्यशाला ने युवाओं को डिजिटल साक्षरता, संचार कौशल, पुस्तकालय संचालन और कानूनी जानकारी से सशक्त किया। कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया जबकि गणतंत्र दिवस पर पहली बार किसी महिला द्वारा ध्वजारोहण कर एक नई परंपरा की शुरुआत हुई। महिला दिवस के अवसर पर युवाओं ने समुदाय को बैंकिंग प्रक्रियाओं जैसे जमा पर्ची भरना और मोबाइल फोन का उपयोग सिखाया।इसके साथ ही वर्षा जल संचयन जल शुद्धिकरण प्रणाली पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण ने युवाओं को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरित किया।यह पहल युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने और समुदाय में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई है। समापन पर युवाओं और समुदाय के लोगों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया तथा भविष्य में इस पहल को और विस्तार देने का संकल्प लिया गया जिससे अधिक से अधिक युवा जुड़कर अपने समुदाय के विकास में योगदान दे सकें। संचालन कार्यक्रम समन्वयक नूतन मेहरोत्रा व तूलिका द्वारा किया गया। इस अवसर पर एक निजी विद्यालय के प्रबंधक सिकंदर भारती, समुदाय से रीता देवी व उषा देवी, समेत अवधेश, दिनेश, पूनम, रूबी, रुमा, सुनैना, पूजा, रीता, रंजु, नीरज, हरिओम, विवेक, अजय, आसिफ, साजिद, दिनेश, विक्रम, नीरज कुमार, जितेंद्र आदि मौजूद रहे।

नव निर्वाचित जिला महामंत्री का बभनी में हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला के पदाधिकारियों के गठन में शारदा खरवार और सुषमा गोंड को जिला महामंत्री बनाये जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह दिखा। रविवार को दोनों नव निर्वाचित महिला जिला महामंत्री बभनी पहुंची चौराहे पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। दोनों पदाधिकारियों को फूलमालाओं से लाद दिया और जिंदाबाद के नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर मुंह मीठा भी कराया। स्वागत समारोह के बाद पीडब्ल्यूडी डाक बंगले में बैठक हुई। बैठक में जिला महामंत्री शारदा खरवार ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी है।सभी लोग पूरे लगन और निष्ठा के साथ लग जायें ताकि संगठन और मजबूत हो सके। सुषमा गोंड ने कहा कि जब संगठन मजबूत होगा तभी हम मजबूत होंगे। प्रत्येक कार्यकर्ता महत्वपूर्ण है और सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि गांव गांव और घर घर जाकर संगठन की बात करें और सरकार की उपलब्धि को जनता तक पहुंचाने का काम करें।इस मौके पर मंडल अध्यक्ष लालकेश कुशवाहा, द्वारिका प्रसाद, रामेश्वर शर्मा,जदुबीर खरवार, युगल किशोर चतुर्वेदी,अरुण कुमार सिंह,राधेश्याम गुप्ता, शिवप्रसाद, लक्ष्मी प्रसाद, चिंता मणि दुबे,सुखवंती सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

36 घंटे के अंदर रूपया चोरी की घटना का पुलिस ने किया खुलासा, चोर गिरफ्तार, रूपया बरामद

कुशीनगर। जनपद के पडरौना कोतवाली पुलिस ने मोटरसाइकिल की डिग्गी तोड़ कर 1 लाख 2 हजार रुपये चोरी करने के मामले का 36 घंटे के भीतर खुलासा कर चोरी के सम्पूर्ण रूपए एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसपी मीडिया सेल से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में अपराध व अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पड़रौना कोतवाली पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 156ध्2026 धारा 303(2) बीएनएस से सम्बन्धित चोरी हुए मो0सा0 की डिग्गी से 01 लाख 02 हजार रूपये का पुलिस टीम ने 36 घंटे के अन्दर सफल अनावरण करते हुए घटना में शामिल अभियुक्त अक्षय कुशवाहा पुत्र रामवृक्ष कुशवाहा निवासी जंगल अमवा थाना कोतवाली पडरौना जनपद कुशीनगर गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी हुए सम्पूर्ण धनराशि 01 लाख 02 हजार रूपये व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद किया। पुलिसिया पूछताछ में अभियुक्त अक्षय कुशवाहा ने स्वीकार किया कि वह नियमित रूप से एसबीआई बैंक पडरौना क्षेत्र के आसपास लोगों पर निगरानी रखता था, विशेषकर उन व्यक्तियों पर जो बैंक में नकद राशि जमा करने या निकालने आते–जाते हैं। उसने बताया कि घटना के दिन उसने एक व्यक्ति को बड़ी धनराशि, नकद मोटरसाइकिल की डिग्गी में रखते देखा। वह व्यक्ति मोटरसाइकिल लेकर बैंक के निकट से एलआईसी कार्यालय की ओर गया और वहाँ मोटरसाइकिल खड़ी करके अंदर चला गया। अभियुक्त ने मौका देखकर पीछे–पीछे जाकर उस मोटरसाइकिल की डिग्गी को तोड़ा और उसमें रखी पूरी नकद राशि (1,02,000ध्– रुपये) निकाल ली। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि यह अपराध उसने पूर्व नियोजित तरीके से अंजाम दिया था, जिसमें वह बैंक परिसर में संभावित लक्ष्यों की तलाश करता रहता था। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर कोतवाली पुलिस ने मु0 अ0 सं0 156ध्2026 धारा 303(2)ध्317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तारी एवं बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश तिवारी, उ0नि0 अमित कुमार सिंह चौकी प्रभारी सुभाष चौक, हे0का0 सोनू कुमार, का0 प्रेमशंकर गुप्ता शामिल रहे।

सिचाई विभाग के विभागाध्यक्ष ने कनहर बांध किया निरीक्षण, संबंधितों के लिए आवश्यक दिशा निर्देश,

दैनिक बुद्ध का संदेश

दुद्धी/सोनभद्र।जल संसाधन विभाग लखनऊ के विभागाध्यक्ष संदीप कुमार ने अंतर्राज्यीय कनहर सिंचाई परियोजना के विभिन्न कार्यों का शनिवार को औचक निरीक्षण किया।इस दरमियान उन्होंने ने दोपहर कुड़वा स्थित जल सुरंग के हो रहे निर्माण कार्यों का हरनाकछार स्थित जल सुरंग के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया इस दौरान वन विभाग से क्लियरेंस एवं एक किसान की भूमि अभी तक ट्रांसफर न कराए जाने के बाबत शीघ्र भूमि को ट्रांसफर करा कार्य को शीघ्र पूर्ण करने का संबंधित अभियंताओं को निर्देशित किया।इसी क्रम में दाई मुख्य

नहर के हो रहे खुदाई का एवं माइनर निर्माण का निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने बताया कि मुख्य नहरों में पड़ रहे पेड़ो की कटान शीघ्र कराकर निर्माण को तय समय में पूर्ण करने का निर्देश 2027 तक दिया।इसी क्रम में कनहर नदी से नहरों में जाने वाले पानी के मेन पॉइंट हेड स्लूश का भौतिक अवलोकन कर जानकारी लिया, देर शाम करीब 6 बजे मुख्य बांध स्पिल्वे का उन्होंने अवलोकन करते हुए गैलरी, कंट्रोल रूम लिट आदि का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा के व्यापक व्यवस्था करने का निर्देश दिया, साथ ही साथ सुरक्षा को लेकर स्पिल्वे के ऊपर बने कंट्रोल रूम के पास वेरिफिकेशन या सुरक्षा उपकरण न लगा होना देखकर संबंधित को जल्द से जल्द सुरक्षा मुहैया करने हेतु निर्देशित कर फटकार लगाई, इस दौरान मुख्य अभियंता नीरज कुमार,अधीक्षण अभियंता केबी पांडेय अधिशासी अभियंता राम आशीष ,दिलीप कुमार, वीर बहादुर सिंह, आशुतोष मिश्रा,सत्यनारायण जेई आनंद ,नंदलाल, विवेकानंद, अन्य विभाग के लोग मौजूद रहे।

सलखन में आयोजित जन आरोग्य शिविर में 32मरीजों का हुआ निःशुल्क इलाज'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।राबर्ट्सगंज विकासखंड के नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सलखन में रविवार को आयोजित साप्ताहिक मुख्यमंत्री जन आरोग्य शिविर में 32महिला, पुरुष और बच्चों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में आए सभी मरीजों की जांच के बाद उन्हें मुत दवाएं भी वितरित की गई।इस शिविर का उद्देश्य था ग्रामीण और पहाड़ी सुदूरवर्ती क्षेत्रों से आए गरीब और जरूरतमंद मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना।कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की भी जांच की गई तथा उन्हें आवश्यक

दवाएंऔर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। जांच के दौरान मरीजों का एचबी, ब्लड शुगर, एचआईवी, टाइफॉइड, मलेरिया आदि का परीक्षण किया गया।अधिकांश मरीज मलेरिया, टाइफॉइड, सर्दी–जुकाम और खांसी जैसी मौसमी बीमारियों से पीड़ित पाए गए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार ऐसे शिविरों से मरीजों को समय पर इलाज और सही परामर्श मिल रहा है, जिससे वे झोलाछाप और नीम–हकीम डॉक्टरों के शोषण से बच पा रहे हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियोंऔर प्रबुद्धजनों ने मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना की खुले दिल से सराहना की।उन्होंने कहा कि इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं न केवल सुलभ हुई हैं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर तबके को भी बड़ी राहत मिल रही है।शिविर में प्रभारी चिकित्साधिकारीडा.अंकित कुमार, फार्मासिस्ट राकेश सिंह राणा,लैब टेक्नीशियन मनीष राय,एएनएम सुनीता विश्वकर्मा एवं सितारा देवी, आशीष कुमार, स्वास्थ्यकर्मी राजेश कुमार तथा दाई सोमरी देवी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की सहभागिता सराहनीय रही।

पिपरहवा बांध से पानी निकासी ठप, किसानों में बढ़ी नाराजगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।विंढमगंज थाना क्षेत्र के धरती डोलवा स्थित पिपरहवा बांध से पानी की निकासी न होने के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी निकासी के लिए बना वाल (गेट) टूट जाने से नहर तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे खेतों की सिंचाई बाधित हो गई है।स्थानीय किसान लग्न उरांव ने बताया कि यदि समय पर पानी मिल जाता, तो फसलों की पैदावार बेहतर होती। लेकिन इस बार पानी के अभाव में उत्पादन प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि जब बांध का पानी खेतों तक नहीं पहुंच रहा, तो ऐसे बांध का क्या फायदा।वहीं राधा पासवान, भगवान पासवान, नरेश पासवान सहित अन्य किसानों ने भी प्रशासन से जल्द से जल्द बांध की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए समय पर पानी मिल सके और फसल का नुकसान रोका जा सके।

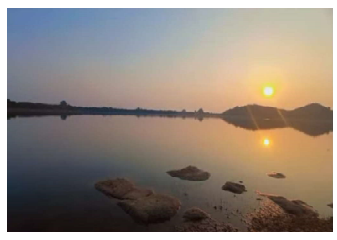

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित | आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 | सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर 2 की सुनामी, फिल्म ने 200 करोड़ का आंकड़ा किया पार, वर्ल्डवाइड कमाई में मारी बाजी

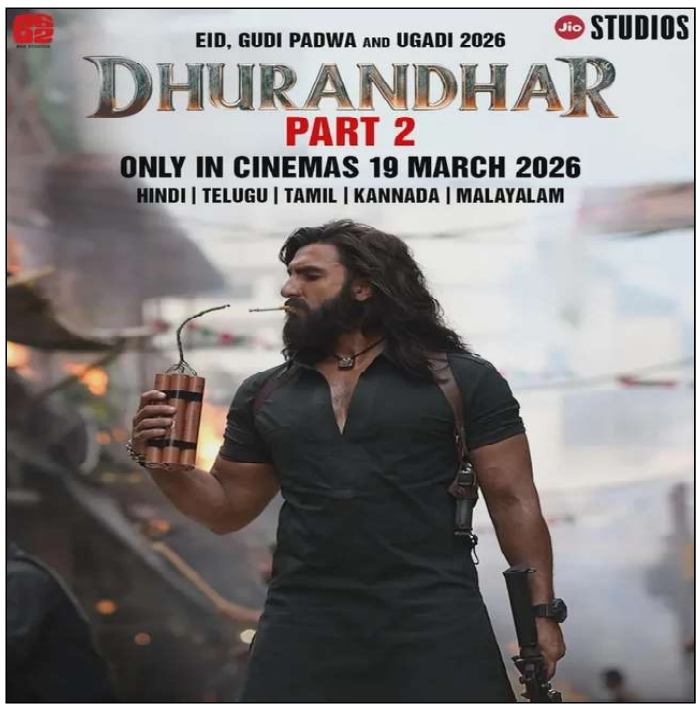

नजर और सब्र के साथ, रणवीर सिंह सबसे बड़े भारतीय स्टार बन गए है. श्धुरंधर 2च्य ने श्धुरंधरच्य की इस लाइन को सच साबित कर दिया है, किस्मत की एक बहुत खूबसूरत आदत है, कि वो वक्त आने पर बदलती है. धुरंधर द रिवेंज पहले ही एक ब्लॉकबस्टर बन चुकी है, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और नए बेंच मार्क सेट किए हैं. फिल्म का इतना बज बना हुआ है कि पेड प्रीव्यू शोज के बाद जहां इसने ऐतिहासिक ओपनिंग की तो वहीं दूसरे दिन भी इसने बॉक्स ऑफिस लूट लिया और कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए. चलिए यहां जानते हैं धुरंधररू द रिवेंज ने रिलीज के दूसरे दिन कितना कलेक्शन किया है?

रणवीर सिंह और आदित्य धर की स्पाई थ्रिलर धुरंधर 2 सिर्फ रिकॉर्ड ही नहीं तोड़ रही है, बल्कि यह अपने लीड एक्टर के करियर ग्राफ को भी फिर से लिख रही है. जहां ज्यादातर फिल्में अपने पूरे रन में 100 करोड़ का आंकड़ा छूने के लिए संघर्ष करती हैं, वहीं धुरंधर 2 ने सिर्फ 48 घंटों में ही रणवीर सिंह के करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है. इस फिल्म ने वो कर दिखाया है तो बड़े–बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में नहीं कर पाई हैं. इस फिल्म का नेट कलेक्शन 200 करोड़ के पार पहुंच गया है.

फिल्म की कमाई की बात करें तो धुरंधर 2 ने पेड प्रीव्यू शो से 43 करोड़ रुपये बटोरे थे. इसके बाद इसने पहले दिन 102.55 करोड़ का कलेक्शन किया. वही सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के दूसरे दिन धुरंधर 2 ने 80.72 करोड़ कमाए हैं. जिसमें हिंदी में इसने 78.94 करोड़ का सबसे ज्यादा कलेक्शन किया है. इसके बाद इसने कन्नड़ में 0.03 करोड़, मलयालम में 0.01 करोड़, तमिल में 0.44 करोड़, तेलुगु में 1.30 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की पेड प्रीव्यू शो के कलेक्शन को मिलाकर कुल कमाई 226.27 करोड़ रुपये हो गई है.

दो दिनों में, धुरंधररू द रिवेंज ने वर्ल्डवाइड 370 करोड़ की कमाई की है. यह हाल ही में रिलीज हुई कई पैन–इंडिया फिल्मों की कुल कमाई (लाइफटाइम कलेक्शन) से भी ज़्यादा है. इसी के साथ इसने प्रभास की आदिपुरुष (350 करोड़) और ऋतिक रोशन व जूनियर एनटीआर की वॉर 2 (338 करोड़) के वर्ल्डवाइड लाइफटाइम कलेक्शन को मात दे दी है.

रणवीर सिंह के अलावा, धुरंधर 2 में आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी भी वापसी कर रहे हैं. आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह स्पाई थ्रिलर फिल्म 19 मार्च को रिलीज हुई थी. धुरंधर के पहले भाग ने दुनिया भर में 1300 करोड़ की कमाई की थी.

मुझे केरला स्टोरी–2 का हिस्सा होने पर गर्व है: उल्का गुप्ता

अभिनेत्री उल्का गुप्ता इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म केरला स्टोरी–2 को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। इस फिल्म में तीन अलग–अलग राज्यों की कहानी को दिखाया गया है, जिसमें धोखे से धर्मांतरण कराया गया है। अभिनेत्री उल्का गुप्ता ने फिल्म

को समाज का आईना बताया। उल्का ने कहा कि फिल्में समाज का आईना होती है और समाज में जो हो रहा है, क्रिएटर्स या मेकर्स उसे अपने अंदाज में दिखाते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अलग–अलग तरह की फिल्में या कहानियां बनती रहनी चाहिए क्योंकि कभी–कभी हम फिल्में मनोरंजन के लिए, तो कभी शिक्षा के लिए, तो कभी ड्रामा या रोमांस के लिए देखते हैं और जहां भी मुझे लगता है कि कहानी या फिर उसका किरदार पसंद आएगा, तो मैं उसमें हिस्सा लेना पसंद करती हूं।

27 फरवरी 2026 को फिल्म केरल स्टोरी 2 रिलीज हुई थी और इसके पहले से ही फिल्म को लेकर विवाद, चर्चा और सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई थी। कई लोगों ने फिल्म को प्रोपेगेंडा करार दिया था, तो कुछ ने इसे गंभीर सामाजिक मुद्दे पर बनी फिल्म बताया था। हालांकि, काफी जगह से फिल्म को लेकर सकारात्मक रिस्पॉन्स भी देखने को मिल रहा है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया को लेकर अभिनेत्री का कहना है, यह फिल्म 27 फरवरी को रिलीज हुई थी और धीरे–धीरे अब पूरे देश से बहुत पॉजिटिव फीडबैक मिला है। मेरा परिवार और दोस्त मुझे बता रहे हैं कि इस फिल्म का उन पर बहुत गहरा असर पड़ा है। कई चीजों ने उनकी आंखें खोल दी हैं। इस प्रोजेक्ट से अपने इमोशनल कनेक्शन को शेयर करते हुए उन्होंने कहा, मुझे केरला स्टोरी 2 का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है। फिल्म साइन करने के बारे में उन्होंने बताया, मुझे इस रोल के लिए बहुत गर्व महसूस हुआ। मैंने सिर्फ अपने लक्ष्य पर फोकस किया, जो मेरा किरदार था। मैंने पूरी तरह एक्टिंग पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, मैं नतीजों के बारे में नहीं सोचती। अगर मैं यह सोचूं कि मुझे कितना प्यार या सम्मान मिलेगा, तो मैं अपने काम पर ध्यान नहीं दे पाऊंगी।

ओ रोमियो की ओटीटी रिलीज तय, 27 मार्च से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी शाहिद कपूर की फिल्म

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की फिल्म ओ रोमियो 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसकी डिजिटल स्ट्रीमिंग का इंतजार अब खत्म होने वाला है, क्योंकि यह ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है। यह क्राइम–ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है,

जबकि निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। हालांकि, ओटीटी पर इसे देखने के लिए दर्शकों को अपनी जेब को ढीला करना पड़ेगा। यहां जानिए कि शाहिद की यह फिल्म कब और कहां दस्तक देगी। रिपोर्ट के मुताबिक, ओ रोमियो को 27 मार्च, 2026 से अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध करा दिया जाएगा। दर्शक इसे पे–पर–व्यू के जरिए देख सकते हैं। मतलब यह कि फिल्म को रेंट पर लेकर देखा जा सकेगा। वहीं, सभी प्राइम सब्सक्राइबर्स के लिए इसे अप्रैल के दूसरे हफ्ते में व्यापक स्तर पर मौजूद कराया जा सकता है। शाहिद अभिनीत ओ रोमियो के डिजिटल अधिकार अमेजन प्राइम वीडियो के पास हैं, इसलिए आने वाले समय में फिल्म इसी प्लेटफॉर्म पर आएगी। ओ रोमियो एक खूंखार गैंगस्टर उस्तरा की कहानी है, जिसका किरदार शाहिद ने निभाया है। उस्तरा की अपराधिक जिंदगी तब बदल जाती है, जब उसे एक लड़की से प्यार हो जाता है। इसके बाद उसकी कमजोरियां दुनिया के सामने आने लगती हैं। कहानी में अपराध, प्यार और इमोशंस का एक रोमांचक मिश्रण मौजूद है। फिल्म में नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, विक्रांत मैसी, दिशा पाटनी, वहीदा जलाल, तमन्ना भाटिया और हुसैन दलाल जैसे सितारे अहम किरदारों में शामिल हैं।

अदिवि शेष–मृणाल की फिल्म की रिलीज डेट बदली, अब 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी ?

फिल्म धुरंधर 2 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार आगामी 19 मार्च को पूरा हो गया। इसी दिन पहले अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की डकैत भी रिलीज होने वाली थी। मगर, अब ऐसा नहीं होगा। सिनेमाघरों में धुरंधर 2 और डकैत की भिड़ंत नहीं होगी। डकैत के मेकर्स ने रिलीज से हफ्तेभर पहले तारीख बदल दी है। जानिए अब डकैत कब दस्तक देगी?

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म डकैत के लिए दर्शकों को अभी और इंतजार करना होगा। इसकी रिलीज डेट अगले महीने यानी अप्रैल में खिसका दी गई है। यह फिल्म अब 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव का आधिकारिक एलान किया। यह फिल्म अब 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। एक्टर अदिवी सेश ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह जानकारी साझा की है। नई तारीख अनाउंस करते हुए अदिवि ने लिखा, गोल्डफिश 10 अप्रैल को। दुनिया भर के थिएटर्स में। फिल्म में अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर लीड रोल में हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की राइटिंग पर भी काम किया है। इस फिल्म में फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी अहम रोल में होंगे।

फिल्म डकैत से पहले यश अभिनीत टॉक्सिक की रिलीज डेट में भी बदलाव किया गया है। पहले टॉक्सिक भी धुरंधर 2 के साथ ही 19 मार्च को सिनेमाघरों में सजने वाली थी। मगर, टॉक्सिक अब जून 2026 तक आगे बढ़ गई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी रणवीर सिंह अभिनीत धुरंधर 2 से टॉक्सिक और डकैत के बॉक्स ऑफिस क्लैश पर दर्शकों की निगाह टिकी थी। मगर, अब यह टकराव नहीं होगा।

किडनी को डैमेज होने बचाना है तो जान लें रोजाना कितने लीटर पानी पीना चाहिए ?

किडनी के स्वास्थ्य में हाइड्रेशन की अहम भूमिका होती है. किडनी का काम खून से गंदगी और जहरीले पदार्थों को छानकर बाहर निकालना है. पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी में पथरी और यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन से बचाव होता है. विशेषज्ञों का कहना है कि पर्याप्त मात्रा में पानी पीना किडनी के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, क्योंकि यह किडनी को अपशिष्ट पदार्थों और विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे किडनी के कामकाज पर पड़ने वाले किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को रोका जा सकता है. इसलिए, शरीर में पानी की कमी होने पर कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं. आइए जानते हैं कि अपनी किडनी को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना कितना पानी पीना चाहिए...

किडनी को कितने पानी की जरूरत होती है: विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में पानी पीता है, तो यह आदत उसके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होती है. विशेषज्ञों का कहना है कि पानी पीने के अनेक लाभ हैं उदाहरण के लिए, यह शरीर में पानी की कमी को रोकता है और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करता है. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी का स्वास्थ्य बेहतर होता है. किडनी को हेल्दी रखने में पानी की अहम भूमिका होती है.: किडनी के स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह शरीर से जहरीले पदार्थों (जैसे यूरिया और क्रिएटिनिन) और मिनरल्स को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे किडनी में पथरी बनने की संभावना कम हो जाती है. इस प्रक्रिया से किडनी पर काम का बोझ कम होता है और खून साफ रहता है. इससे यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन का खतरा भी कम हो जाता है.

एक अध्ययन के अनुसार, विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों को हर दिन लगभग 6–8 गिलास पानी पीना चाहिए. हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि शरीर को कितनी मात्रा में पानी की जरूरत होती है, यह हमारी सेहत के साथ–साथ तापमान, फिजिकल एक्टिविटी और काम पर भी निर्भर करता है.

शरीर से जहरीले पदार्थों को निकालने के लिए पानी महत्वपूर्ण: विशेषज्ञों का कहना है कि पानी पेशाब, पसीने और मल के जरिए शरीर से बेकार चीजों को बाहर निकालने में मदद करता है, शरीर का सामान्य तापमान बनाए रखता है, जोड़ों के काम को आसान बनाता है और कोमल ऊतकों को नुकसान से बचाता है. जब शरीर में पानी का लेवल कम हो जाता है, तो ये सभी प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं. इसके साथ ही यह भी बताया गया है कि पानी की मात्रा कम होने पर खून में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है. इस प्रक्रिया में, यूरिक एसिड किडनी के माध्यम से उत्सर्जित होता है, और यदि आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, तो यह किडनी की पथरी का रूप ले सकता है. इसके साथ ही बताया गया है कि शरीर में पानी की मात्रा में जरा सी भी कमी होने पर, फिल्ट्रेशन की प्रक्रिया के दौरान किडनी का काम धीमा पड़ जाता है. एक अध्ययन के अनुसार, गंभीर डिहाइड्रेशन से किडनी को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए, हेवी वर्क या एक्सरसाइज करते समय, खासकर गर्म और उमस भरे मौसम में, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है.

अगर शरीर में पानी का लेवल कम हो जाए तो क्या करें?: विशेषज्ञों का कहना है कि तेज धूप में या बहुत ज्यादा गर्म माहौल में लंबे समय तक काम करने से शरीर से पानी और नमक तेजी से कम हो जाता है. इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है. इस प्रोसेस में, अगर शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है, तो किडनी पर ज्यादा दबाव पड़ता है. इस संदर्भ में, द लैंसेट रीजनल हेल्थ.दक्षिण–पूर्व एशिया जर्नल के अनुसार, जो किसान और मजदूर धूप में काम करते हैं, उन्हें गर्मी और शारीरिक तनाव के कारण किडनी फेल होने का खतरा रहता है. विशेषज्ञों का सुझाव है कि किडनी से जुड़ी समस्याओं को रोकने और खून में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ने से बचने के लिए जीवनशैली और खान–पान की आदतों में बदलाव जरूरी है. विशेषज्ञ तरबूज, खीरा और पालक जैसे पानी से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करने की सलाह देते हैं. उनका कहना है कि नारियल पानी शरीर से अशुद्धियों को बाहर निकालने में मदद करता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है. इसके साथ विशेषज्ञ रोजाना कसरत करने और अपने शरीर का वजन नियंत्रण में रखने की भी सलाह देते हैं. इसके अलावा, वे किडनी से जुड़ी जटिलताओं को रोकने के लिए शराब और स्मोकिंग से दूर रहने की सलाह देते हैं.